**आज का विचार**

प्रश्न चाहे कुछ भी हो वह कभी अकेला नहीं आता, वह हमेशा सही जवाब लेकर आता है।

# दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

2

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | शनिवार, 19 जुलाई, 2025 | वर्ष 23, अंक 177, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com


## गीता स्थली ज्योतिसर बनेगा विश्व का भव्य और यादगार ऐतिहासिक पर्यटन स्थल: नायब सिंह सैनी

### मुख्यमंत्री ने ज्योतिसर अनुभव केन्द्र का किया निरीक्षण, पर्यटन विभाग के अधिकारियों से बारीकी से लिया फीडबैक

**संवाददाता**
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गीता स्थली ज्योतिसर विश्व का भव्य, यादगार और ऐतिहासिक स्थल बनेगा। इस गीता स्थली को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए सरकार की तरफ से करीब 250 करोड़ रुपये का बजट खर्च किया जा रहा है। यहां पर ज्योतिसर अनुभव केंद्र में देश- विदेश से आने वाले पर्यटकों को कुरुक्षेत्र के इतिहास के जीवंत दर्शन होंगे। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को जिला कुरुक्षेत्र में ज्योतिसर अनुभव केंद्र का दौरा कर स्वागत कक्ष, महाकाव्य सृजन कक्ष, प्राचीन महाभारत, कुरुवंशावली, गीता श्लोक, कृष्ण भूमिका, दशव अवतार सहित अन्य कक्षों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज भी उपस्थित रहे। पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती कला रामचंद्रन ने ज्योतिसर अनुभव केंद्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ज्योतिसर अनुभव केंद्र के साथ-साथ अन्य कक्षों के छोटे-छोटे निर्माण कार्य को पूरा करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधूरे निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि ज्योतिसर अनुभव केंद्र को पर्यटकों के लिए खोला जा सके। मुख्यमंत्री ने ज्योतिसर अनुभव केंद्र को विश्व दर्शनीय स्थल बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि तमाम विकास कार्यों को जल्द पूरा किया जाए ताकि ज्योतिसर अनुभव केन्द्र में पर्यटक महाभारत और कुरुक्षेत्र के इतिहास के दर्शन कर सकें। इसके अलावा, मुख्यमंत्री गीता ज्ञान संस्थानम में पहुंचे और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद से बातचीत की है।

इसके उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान कृष्ण ने कुरुक्षेत्र की पावन धरा से गीता के उपदेश दिए। इस पावन धरा के इतिहास को जहन में रखते हुए सरकार की तरफ से ज्योतिसर में विकास कार्यों को तेज गति के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक विरासत को मजबूती मिली है। इस देश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए सरकार की तरफ से ज्योतिसर में महाभारत थीम पर आधारित प्रोजेक्ट पर करीब 250 करोड़ रुपए का बजट खर्च किया जा रहा है। इस ज्योतिसर गीता स्थली को विश्व का सबसे दर्शनीय ऐतिहासिक स्थल बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने एक प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कुरुक्षेत्र आगमन के लिए आग्रह किया है, अगर प्रधानमंत्री इस आग्रह को स्वीकार करते हैं तो कुरुक्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण होगा। उन्होंने कहा कि कल्पना चावला तारामंडल को पुनः पर्यटकों के लिए जल्द खोलने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे। इस पावन धरा से दुनिया को पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों से कर्म करने का संदेश मिल रहा है। पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती, पर्यटन विभाग के निदेशक डॉ. शालीन, उपायुक्त नेहा सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

### हरियाणा सरकार का दूरदर्शी कदमः भविष्य की नींव के लिए स्थापित किया फ्यूचर विभाग

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, जिनके पास वित्त मंत्रालय का भी प्रभार है, ने वर्ष 2025झ26 के बजट में की गई दूरदर्शी घोषणा को साकार करते हुए फ्यूचर विभाग के गठन को अंतिम मंजूरी प्रदान की है। इस महत्वाकांक्षी निर्णय को हरियाणा के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित करने के पश्चात, राज्य सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 21वीं सदी की सरकारें केवल वर्तमान के लिए नहीं, बल्कि भविष्य के लिए भी काम करेंगी। हरियाणा सरकार अब नीति निर्माण को दूरदृष्टि, डेटा विश्लेषण और तकनीकी विशेषज्ञता के आधार पर संचालित करेगी। फ्यूचर विभाग आने वाले वर्षों में हमारे प्रदेश की नींव को और अधिक मजबूत बनाएगा। हरियाणा की नीतियाँ अब केवल वर्तमान की जरूरतों को नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी समझेंगी।

## सीएम मान ने दोहराया - नशा तस्करी के बड़े जरनेलों पर कोई रहम नहीं

### कहा - खुद को अजेय समझने वालों को सलाखों के पीछे डाला

**संवाददाता**
मालेरकोटला

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दोहराया कि राज्य में नशे के जहर को फैलाने वालों के साथ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी, और खुद को अजेय समझने वाले नशा तस्करी के 'जनरल' अब सलाखों के पीछे हैं। अहमदगढ़ और अमरगढ़ में नए तहसील कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे का धंधा उन लोगों की सरपरस्ती में फलता-फूलता रहा, जिन्हें जनता ने अपनी सेवा के लिए चुना था, लेकिन दुर्भाग्यवश वे ही लोग सरकारी गाड़ियों से नशा सप्लाई करते रहे। उन्होंने कहा कि इन नेताओं के पास अपने शासनकाल में असीम ताकत थी, लेकिन नशा तस्करों से मिलीभगत के चलते कोई उन्हें छूने की हिम्मत नहीं करता था। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार ने ऐसे नेताओं को जेल की सलाखों के पीछे भेजा क्योंकि उन्होंने नशे के कारोबार के माध्यम से पंजाब की युवा पीढ़ी को बर्बाद किया।

मुख्यमंत्री ने पंजाब के इन गद्दारों को सबक सिखाने के लिए जनता से पूर्ण समर्थन और सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि युद्ध नशों विरुद्ध की शानदार सफलता इस बात का प्रमाण है कि पंजाब की जनता इस लड़ाई में सरकार के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मुहिम आगे भी निरंतर जारी रहेगी ताकि पंजाब को नशे की इस लानत से पूरी तरह मुक्त किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि बादल-मजीठिया परिवार में सब कुछ ठीक नहीं है क्योंकि सत्ता की लड़ाई के चलते अंदरूनी झगड़े चरम पर हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अकाली दल आपसी फूट का शिकार हैं क्योंकि इनके नेता केवल सत्ता के लिए आपस में लड़ते रहते हैं। भगवंत मान ने कहा कि सत्ता के भूखे ये नेता अब बेचैन हैं क्योंकि जनता ने 'आप' को चुना और इन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। राज्य सरकार आने वाले समय में कई जनकल्याणकारी निर्णय लेगी जिससे सभी को लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि युवा नौकरी ढूंढने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने जोर दिया कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से एक समृद्ध और खुशहाल पंजाब का निर्माण किया जाएगा। बेअदबी की घटनाओं को रोकने के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि सोमवार को विधानसभा में ह्यपंजाब धार्मिक ग्रंथों संबंधी अपराधों की रोकथाम विधेयक 2025ह्न पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि यह एक संवेदनशील मुद्दा है जो सभी पंजाबियों को प्रभावित करता है और वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों पर दूरगामी प्रभाव डालेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे घृणित अपराधों में लिप्त लोगों के लिए सख्त सजा अत्यंत आवश्यक है। राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है और किसी भी भ्रष्ट अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह समर्पित है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

## बिहार को कांग्रेस-राजद की बुरी नीयत से बचाने की जरूरत: मोदी

### प्रधानमंत्री ने मोतिहारी में 7,200 करोड़ से अधिक की विकास परियोजाओं का किया उद्घाटन

**एजेंसी (हि.स.)**
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मोतिहारी में आज एक कार्यक्रम के दौरान 7,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राज्य अब तेजी से विकास कर रहा है और माओवाद समाप्ति की ओर है। वहीं केन्द्र और राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को बिहार में ही रोजगार देने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने इस नारे को दोहराया, बनाएंगे नया बिहार फिर एक बार एनडीए सरकार।

राज्य के मुख्य विपक्षी दलों कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को पिछड़ा विरोधी बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इन पार्टियों ने अपने परिवार के बाहर किसी को सम्मान नहीं दिया। उन्होंने कहा, इन लोगों का अहंकार आज पूरा बिहार देख रहा है। हमें बिहार को इनकी बुरी नीयत से बचाकर रखना है।

प्रधानमंत्री ने रेल, सड़क, मत्स्य पालन, आईटी और ग्रामीण विकास क्षेत्रों की परियोजनाओं की शुरूआत की। उन्होंने चंपारण को ऐतिहासिक धरती बताते हुए कहा कि यह धरती अब बिहार के नए भविष्य को बनाने में प्रेरित करेगी। इस दौरान विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने बिहार के तेजी से हो रहे विकास और माओवाद के खत्म हो रहे प्रभाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चंपारण, गया, औरंगाबाद, जमुई जैसे जिलों में कभी माओवाद का अंधकार था, अब वहां के नौजवान बड़े सपने देख रहे हैं। माओवाद अंतिम सांसें गिन रहा है। उन्होंने बिहार के युवाओं को राज्य में ही रोजगार देने की प्रतिबद्धता जताई और कहा कि नीतीश सरकार ने पारदर्शिता के साथ लाखों युवाओं को नौकरी दी है। केंद्र सरकार भी इसमें पूरा सहयोग दे रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बिहार आगे बढ़ रहा है, जिसके पीछे महिलाओं की बड़ी भूमिका है। उन्होंने राजग सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक घर बनाए गए हैं, जिनमें से 60 लाख बिहार में हैं। अकेले मोतिहारी में 3 लाख से अधिक पक्के घर दिए गए हैं। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि राजद और कांग्रेस के राज में गरीब को पक्का घर मिलना असंभव था और लोग डर के कारण घरों में रंग-रोगन तक नहीं करवा पाते थे।

उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को जानना चाहिए कि राजद और कांग्रेस के शासनकाल में बिहार विकास से वंचित था। केंद्र सरकार ने बीते 10 वर्षों में बिहार को पहले से कई गुना अधिक राशि दी है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि पूर्वी भारत में भी मुंबई, पुणे, सूरत और बंगलुरू जैसे औद्योगिक और विकास के केंद्र बनें। मोतिहारी, गया, पटना, संथाल परगना, जलपाईगुड़ी और वीरभूम जैसे क्षेत्रों को भी राष्ट्रीय पहचान दिलाई जाएगी।

## जनता के हमदर्द नहीं माकपा और संघ : राहुल गांधी

**एजेंसी (हि.स.)**
कोट्टायम

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और मार्क्सवादी कमयुनिस्ट पार्टी (माकपा) पर जनता के प्रति भावनाहीनता का आरोप लगाया है। केरल के पुथुपल्ली में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी की याद में आयोजित स्मृति सभा के दौरान कांग्रेस सांसद ने ये आरोप लगाए हैं। कोट्टायम के पुथुपल्ली में आयोजित ओमन चांडी स्मृति संगमम में सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरएसएस और माकपा पर जनता के प्रति कोई भावना न रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये लोग विचारधारा से तो लड़ते हैं, लेकिन जनता के प्रति संवेदना का इनमें अभाव है।

राहुल गांधी ने कहा , मेरी संघ और माकपा से वैचारिक लड़ाई है, लेकिन मेरी सबसे बड़ी शिकायत ये है कि ये लोगों के बारे में नहीं सोचते। उनके मन में जनता के लिए कोई भावना नहीं है। मेरी यही सबसे बड़ी शिकायत यह है कि अगर आप राजनीति में हैं तो लोग क्या सोचते हैं, उसे महसूस करें। उनकी बात सुनें और उन तक पहुंचने की कोशिश करें। लेकिन भारतीय राजनीति की त्रासदी है कि आज बहुत कम लोग हैं, जो असल में दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखते हैं। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने कहा, मेरे लिए ओमान चांडी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं हैं, वे केरल की राजनीति की एक अभिव्यक्ति हैं। यहां की राजनीति में ऐसे लोगों को आगे लाने की परंपरा रही है। मेरी आकांक्षा ओमान चांडी जैसे ज्यादा से ज्यादा लोगों को आगे लाने की है। मैं अपने करियर के शुरूआती दिनों में ही ओमान चांडी के संपर्क में आया था और मुझे कहना होगा कि मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। इससे पहले राहुल गांधी ने केरल प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) द्वारा आयोजित ओमान चांडी स्मृति सभा और केपीसीसी की धर्मार्थ गतिविधियों की शुरूआत की।

## बिहार से प्रवासी मतदाताओं के लिए नामांकन अभियान विशेष व्यापक पुनरीक्षण 2025

**संवाददाता**
चंडीगढ़

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार, बिहार राज्य में विशेष व्यापक पुनरीक्षण 2025 का कार्य वर्तमान में आयोग की सक्रिय निगरानी और मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। यह अभियान भारत निर्वाचन आयोग के बहुमूल्य सहयोग से संचालित हो रहा है और अब तक सुचारू रूप से प्रगति कर रहा है। अब तक कुल मतदाताओं में से 90% से अधिक के नामांकन फॉर्म सफलतापूर्वक प्राप्त हो चुके हैं। मृतक, स्थानांतरित या डुप्लीकेट प्रविष्टियों को छोड़कर केवल 5.8% मतदाता ऐसे हैं जिनके फॉर्म अब भी लंबित हैं। शेष फॉर्मों के 25 जुलाई 2025 की समय-सीमा तक एकत्रित होने की संभावना है, जिससे इस पुनरीक्षण चरण का समापन होगा।

काफी संख्या में ऐसे मतदाता हैं जो मूलतः बिहार में पंजीकृत हैं लेकिन वर्तमान में अस्थायी रूप से अन्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों, विशेषकर चंडीगढ़ में निवास कर रहे हैं। ऐसे प्रवासी मतदाताओं की इस प्रक्रिया में भागीदारी अत्यंत आवश्यक है और उनके समावेश के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। बिहार से संबंधित

कृपया QR Code Scan करें।
https://voters.eci.gov.in/

प्रवासी मतदाता जो वर्तमान में चंडीगढ़ में निवास कर रहे हैं, उनसे अनुरोध किया जाता है कि वे voters.eci.gov.in पोर्टल या ECINET मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन नामांकन फॉर्म भरें। वैकल्पिक रूप से, वे पूर्व-भरे हुए फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं, आवश्यक दस्तावेज संलग्न करें और उन्हें या तो बिहार में अपने परिवार के सदस्यों को या संबंधित बूथ स्तर अधिकारी को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज सकते हैं। वे नीचे दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके भी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चंडीगढ़ में निवास कर रहे बिहार के सभी पात्र प्रवासी मतदाता इस चल रहे निर्वाचन पुनरीक्षण अभियान में भाग लेने के लिए जागरूक और सक्षम हों।

### कुछ लोग समाज के बीच विघटन पैदा कर लोगों को मुख्यधारा से अलग करने का काम करते हैं : मुख्यमंत्री

## कांवड़ यात्रियों को बदनाम किया जा रहा, उन्हें उपद्रवी बोला जाता है : योगी आदित्यनाथ

**एजेंसी (हि.स.)**
वाराणसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांवड़ यात्री पूरी श्रद्धा और भक्ति भावना से यात्रा करते हैं, लेकिन कुछ लोग उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें उपद्रवी और आतंकवादी तक बोला जाता है। यह मानसिकता हर प्रकार से भारत की विरासत और आस्था को अपमानित करने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के अन्तिम दिन शुक्रवार को यहां राजघाट स्थित वसंता महिला महाविद्यालय में आयोजित 'बिरसा मुंडा की विरासत, आदिवासी सशक्तीकरण और राष्ट्रीय आंदोलन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था।

मुख्यमंत्री योगी ने कांवड़ यात्रा को बदनाम करने और जातीय संघर्ष को हवा देने वालों को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि इस बारे में समाज को सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कांवड़ यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा, आज कांवड़ यात्री अपनी भक्ति भावना से 200, 300, 400 किलोमीटर तक कांवड़ उठाकर हर-हर बम बोलते हुए चले जाते हैं, लेकिन उनका भी मीडिया ट्रायल होता है। उन्हें उपद्रवी और आतंकवादी तक बोला जाता है। यह मानसिकता हर प्रकार से भारत की विरासत और आस्था को अपमानित करने का काम कर रही हैं। यही लोग सोशल मीडिया पर फेक अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष फैलाने का काम करते हैं....। समाज को बांटने का काम करते हैं। ऐसे लोगों से हमें सावधान रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग समाज के बीच विघटन पैदा कर लोगों को मुख्यधारा से अलग करने का काम करते हैं। इनके ऐसे ही कारनामे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों के खिलाफ सख्ती का संदेश देते हुए आम लोगों को भी सतर्क किया। उन्होंने एक घटना का उल्लेख कर कहा कि दो–तीन साल पहले ऐसे ही एक घटना हुई थी। एक आगजनी की घटना में एक व्यक्ति केसरिया भगवा गमछा ओढ़े था, बीच में अचानक गमछा निकलने पर उसके मुंह से निकला या अल्लाह...। समाज की एकता में ऐसे लोग बाधक है। ऐसे लोगों को चिन्हित करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन का महीना चल रहा है। इससे पहले मुहर्रम था, हमने नियम बना दिये थे कि ताजिये की लंबाई सीमित रखें। इससे बिजली, पेड़ की टहनी को नुकसान पहुंचता था। मुहर्रम पर नियम नहीं मानने पर जौनपुर में घटना हो गई। ताजिया को इतना ऊंचा किया कि हाई टेंशन लाइन की चपेट में आकर तीन लोग मारे गए। बाद में उपद्रव हुआ, तो मैंने कहा लाठी मारो इनको, बातों से नही मानेंगे। इसका किसी ने विरोध नही किया। भगवान बिरसा मुंडा को स्मरण किया-संगोष्ठी में मुख्यमंत्री ने आदिवासी समाज के योगदान को भी सराहा और भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। वह हमारे लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। जनजाति समाज हमेशा हमारे साथ खड़ा रहा है, चाहे वह भगवान राम के साथ हो, भगवान श्रीकृष्ण के साथ हो, हल्दीघाटी युद्ध के समय हो, या फिर महाराणा प्रताप और शिवाजी महाराज के समय हो।

संगोष्ठी में मौजूद पद्मश्री अशोक भगत ने भी बिरसा मुंडा की बहुआयामी विरासत पर चर्चा की। संगोष्ठी का उद्देश्य बिरसा मुंडा की विरासत को और अधिक उजागर करना था। साथ ही आदिवासी समाज की भूमिका को समाज में सही ढंग से प्रस्तुत करना था। इस संगोष्ठी पर 100 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत होने हैं।

# हिमाचल में कहर बना मानसून, अब तक 110 मौतें, 1220 करोड़ की संपत्ति तबाह

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में इस बार मानसून भारी तबाही लेकर आया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार 20 जून से अब तक पूरे प्रदेश में वर्षा से जुड़े हादसों में 110 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 35 लापता हैं और 199 घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा 20 मौतें मंडी जिले में हुई हैं, जहां 27 अभी भी लापता हैं। कांगड़ा में 19, कुल्लू में 11, हमीरपुर और चंबा में 9-9, और सोलन, बिलासपुर व ऊना में 8-8 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इस बीच मौसम विभाग ने 24 जुलाई तक प्रदेश में भारी बारिश की आशंका जताई गई है।

मानसून से राज्य में करीब 1220 करोड़ की संपत्ति को नुकसान पहुंच चुका है। सरकारी विभागों में सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण विभाग को हुआ है। इसे करीब 546 करोड़ की क्षति हुई है जबकि जलशक्ति विभाग को भी 434 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा है। इसके अलावा पूरे प्रदेश में 377 घर और 256 दुकानें पूरी तरह तबाह हो चुकी हैं, वहीं 723 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। अकेले मंडी जिले में ही सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, जहां 350 घर, 233 दुकानें और 746 गौशालाएं पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं, जबकि 544 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है।

पशुपालन और कृषि क्षेत्र को भी नुकसान से राहत नहीं मिली है। अब तक प्रदेश में 21,500 पोल्ट्री पक्षी और 1272 पालतू पशु मारे जा चुके हैं। इस मानसून सीजन में हिमाचल में अब तक बादल फटने की 22 घटनाएं, अचानक बाढ़ की 32 घटनाएं और भूस्खलन की 19 घटनाएं दर्ज की गई हैं।

भारी बारिश और भूस्खलन से प्रदेशभर में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शुक्रवार को कुल 250 सड़कें यातायात के लिए बंद पड़ी हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मंडी जिले में 182 सड़कें बंद हैं। सिरमौर जिले में 26, कुल्लू में 22, कांगड़ा में 10, सोलन में 6 और ऊना में 3 सड़कें बाधित हैं। मंडी जिले में 30 जून को बादल फटने की घटना के बाद से हालात अब तक सामान्य नहीं हो पाए हैं। बीती रात मंडी के जोगिंदरनगर और शिमला के सराहन में सबसे ज्यादा 40-40 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि सिरमौर के जतौन बैरेज, कुल्लू के कोठी और शिमला के शिलारू में 30-30 मिलीमीटर वर्षा हुई।

इसके अलावा बिजली और पानी की आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। पूरे प्रदेश में 81 बिजली ट्रांसफार्मर और 61 पेयजल योजनाएं ठप पड़ी हैं। मंडी जिले में सबसे ज्यादा 39 ट्रांसफार्मर और 50 पेयजल योजनाएं ठप हैं, जबकि कुल्लू जिले में भी 40 ट्रांसफार्मर काम नहीं कर रहे हैं। इस बीच मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए भी चेतावनी जारी की है। अगले छह दिन यानी 24 जुलाई तक प्रदेश में भारी बारिश की आशंका जताई गई है। 21 और 22 जुलाई को शिमला, मंडी, सोलन और सिरमौर समेत कई जिलों में बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। 19 जुलाई को प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है, लेकिन इस दिन कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। 20 जुलाई को शिमला, सोलन, सिरमौर और बिलासपुर में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट रहेगा। 22 जुलाई को शिमला, मंडी, सोलन, सिरमौर और कांगड़ा जिलों में फिर ऑरेंज अलर्ट रहेगा, जबकि ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा और कुल्लू में येलो अलर्ट जारी किया गया है। 23 जुलाई को भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

# मुख्यमंत्री सुक्खू ने जाखू मंदिर में हनुमान ध्वजा स्थापना समारोह में भाग लिया

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को शिमला के ऐतिहासिक जाखू मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में 108 फीट ऊंची हनुमान ध्वजा स्थापना समारोह में भी भाग लिया। इसके उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जाखू मंदिर के प्रति प्रदेशवासियों की विशेष आस्था है। यहां भगवान हनुमान की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है और प्रदेश सरकार इस मंदिर को आध्यात्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से और अधिक आकर्षक बनाने के लिए प्रयासरत है। मंदिर परिसर में भगवान श्री राम की प्रतिमा लगाने का भी कार्य प्रस्तावित है और वन संरक्षण अधिनियम से जुड़ी कुछ प्रक्रियात्मक औपचारिकताएं पूरी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि यहां श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग, बैठने की व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं में भी सुधार किया जाएगा ताकि इस कार्य में पर्यावरण संतुलन का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान और प्रभावितों को राहत देने एवं पुनर्वास के लिए दिन-रात कार्य कर रही है। नेता प्रतिपक्ष भी लगातार उनके संपर्क में हैं क्योंकि उनके निर्वाचन क्षेत्र में सर्वाधिक नुकसान हुआ है। इसके अलावा धर्मपुर, करसोग और नाचन क्षेत्रों में भी बारिश से काफी नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में अपने दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों को प्रदेश में आपदा से हुए नुकसान से अवगत करवाया और सहायता का आग्रह किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जब केन्द्रीय गृह मंत्री हिमाचल प्रदेश के दौरे पर आएंगे तो प्रदेश को केंद्र सरकार से कुछ राहत अवश्य मिलेगी। सुक्खू ने कहा कि प्रभावित लोगों का पुनर्वास प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें गैर-वन भूमि पर बसाया जाएगा जबकि वन भूमि के आवंटन के लिए केंद्र सरकार की स्वीकृति आवश्यक होगी।

मुख्यमंत्री ने बाद में छोटा शिमला में लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह का लोकार्पण किया। इस भवन में 4.15 करोड़ रुपये के व्यय से नौ विशेष कक्षों का निर्माण किया गया है। उन्होंने प्रदेश में आने वाले पर्यटकों का भी स्वागत किया और कहा कि कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिमाचल के पर्यटन को लेकर भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भले ही कुछ क्षेत्रों में बारिश से नुकसान हुआ है लेकिन प्रदेश का अधिकांश हिस्सा सुरक्षित है और पर्यटकों के लिए खुला है।

# स्वच्छ शहरों में शिमला को बड़ा झटका, देश में 347वीं रैंकिंग, मेयर ने सर्वेक्षण पर उठाए सवाल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

अपनी खूबसूरती और सैलानियों के बीच मशहूर हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला स्वच्छता के मामले में इस बार बुरी तरह पिछड़ गई है। देशभर में हुए स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में शिमला की रैंकिंग गिरकर 347वें स्थान पर आ गई है। यह अब तक की सबसे खराब रैंकिंग मानी जा रही है। 824 शहरों की लिस्ट में शिमला टॉप 300 शहरों से भी बाहर हो गया है। नगर निगम शिमला को इस बार सर्वेक्षण में कुल 7500 में से सिर्फ 4798 अंक ही मिल पाए हैं। शहर की गिरती रैंकिंग को लेकर नगर निगम के महापौर सुरेंद्र चौहान ने सर्वेक्षण की प्रक्रिया पर गहरी नाराजगी जताते हुए इसे शिमला के साथ अन्याय बताया। मेयर ने कहा कि शहर में कोई झील नहीं है, फिर भी इस मापदंड पर अंक काटे गए।

उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर यह सर्वेक्षण किन मानकों पर आधारित था। मेयर ने बताया कि नगर निगम ने इस रिपोर्ट के खिलाफ आधिकारिक आपत्ति दर्ज करवाई है और इस बारे में केंद्रीय मंत्रालय को पत्र भी लिखा जा रहा है। उन्होंने इसे एकतरफा रिपोर्ट करार देते हुए कहा कि नगर निगम खुलकर इसका विरोध करेगा। महापौर सुरेंद्र चौहान ने कहा कि नगर निगम शहर की सफाई को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। सफाई के नए सिस्टम लागू किए गए, फिर भी रैंकिंग गिरती जा रही है।

उन्होंने सर्वेक्षण में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए कहा कि शहर की सही तस्वीर नहीं पेश की गई। अगर बीते सालों की बात करें तो शिमला कभी स्वच्छता के मामले में देश में शीर्ष रैंकिंग में आता था। वर्ष 2016 में शिमला की देश में 27वीं रैंक थी। उसके बाद 2023 में यह रैंकिंग गिरकर 56वें स्थान पर आ गई। पिछले वर्ष 2024 में और गिरकर शिमला को 188वीं रैंक मिली थी। इस बार स्थिति और खराब हो गई और शिमला को 347वां स्थान मिला, जो अब तक की सबसे कम रैंकिंग है। प्रदेश स्तर पर भी इस बार तस्वीर बदली हुई नजर आई। शिमला जिले का ठियोग नगर परिषद प्रदेश में पहले स्थान पर रहा।

# रामबन में मिशन युवा के तहत 41 ऋण स्वीकृत

एजेंसी (हि.स.)
रामबन

युवा-नेतृत्व वाली उद्यमिता को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला प्रशासन रामबन ने जेएंडके बैंक के सहयोग से मिशन युवा पहल के तहत 41 ऋण स्वीकृत किए और उन्हें सौंपे।

उपायुक्त मोहम्मद अलयास खान ने एक संक्षिप्त समारोह में लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र सौंपे। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक जिला औद्योगिक विकास (डीआईसी) रविंदर आनंद; क्लस्टर प्रमुख जेएंडके बैंक, रवि कुमार; अग्रणी बैंक प्रबंधक, जिला नोडल अधिकारी जेकेईडीआई, परामर्श अधिकारी, रोजगार विभाग रामबन के साथ-साथ रोजगार विभाग और जेएंडके बैंक के अन्य हितधारक उपस्थित थे।

उपायुक्त ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए युवाओं को स्थायी और लाभदायक आर्थिक गतिविधियों में संलग्न करके स्वरोजगार को बढ़ावा देने में मिशन युवा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने लाभार्थियों को वित्तीय सहायता का सदुपयोग करने और जिले की अर्थव्यवस्था में योगदान दे ने वाले सफल उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया। डीसी ने कहा कि मिशन युवा, वित्त, क्षमता निर्माण और स्थायी आजीविका के अवसरों तक पहुँच के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने और इस प्रकार एक आत्मनिर्भर और प्रगतिशील रामबन का निर्माण करने के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है।

इस बीच जेएंडके बैंक के अधिकारियों ने सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के सुचारू कार्यान्वयन के माध्यम से युवाओं का समर्थन करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने ऋणों की समय पर प्रक्रिया और वितरण में निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया और ऐसी पहलों की दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करने के लिए पुनर्भुगतान अनुशासन के महत्व पर जोर दिया।

## संक्षिप्त-समाचार

### आर्ट ऑफ लिविंग मंडी ने शिल्पी बागी पंचायत के आपदा प्रभावित लोगों को बांटी राहत सामग्री

**मंडी।** आर्ट ऑफ लिविंग जिला मंडी ने शिल्हीबागी पंचायत थुनाग के आठ आपदा प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री बांटी गई। जिस में आठ राशन किट चावल, आटा, दालें, आठ त्रिपाल और 9 जोड़ी शूज दिए गए। राहत प्राप्त करने वाले लोगों में बाई थाच गांव के ताराचंद और दिलेराम, घोरला पात्थरगांव के लाल सिंह, धनेश कुमार, गंगेराम ,किशन चंद, और थनोटा गांव के देवेंद्र सिंह और सुभाष सिंह शामिल है। इस वर्ष थुनाग मंडी में आई इस आपदा में बहुत से परिवार प्रभावित हुए हैं और आर्ट ऑफ लिविंग जिला मंडी समय -समय पर इन प्रभावित लोगों को आप सभी के सहयोग से हैं इस तरह की राहत सामग्री देने में सक्षम हो पाया है। इस के लिए सभी दानी सजनों का धन्यवाद जो इस मुश्किल घड़ी में प्रभावित लोगों का साथ दे रहे हैं।

### प्रदेश सरकार की विफलताओं से जनता निराश, आपदा राहत में भाजपा कर रही है असली काम: त्रिलोक कपूर

**नाहन।** भाजपा के प्रदेश महामंत्री त्रिलोक कपूर ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उसके कार्यकाल को विफलताओं से भरपूर करार दिया है। उन्होंने कहा कि झूठे वादों की बुनियाद पर सत्ता में आई कांग्रेस सरकार प्रदेश में किसी भी वर्ग को संतुष्ट करने में असफल रही है। त्रिलोक कपूर शुक्रवार को अपने सिरमौर जिला प्रवास के दौरान नाहन में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा के समय कांग्रेस सरकार की निष्क्रियता सामने आई है, जबकि भाजपा ने अपने संगठनात्मक ढांचे के माध्यम से मौके पर जाकर जरूरतमंदों को हर संभव सहायता पहुंचाई है। उन्होंने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं और प्रदेश को हर संभव राहत दिलाने का आश्वासन दिया है। ऐसे में राज्य सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह आपदा से प्रभावित इलाकों का सही और समयबद्ध मूल्यांकन करके रिपोर्ट केंद्र को भेजे, ताकि आवश्यक आर्थिक सहायता शीघ्र प्राप्त हो सके। प्रदेश सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए त्रिलोक कपूर ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार न तो तर्कसंगत निर्णय ले पा रही है और न ही विकास की दिशा में कोई ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इस सरकार की नीतियों ने प्रदेश को विकास की दौड़ में काफी पीछे धकेल दिया है।

### राजस्व अभिलेखों में उर्दू पर उमर अब्दुल्ला का बयान - एक भ्रामक और राजनीति से प्रेरित कदम: पवन शर्मा

**जम्मू।** वरिष्ठ भाजपा नेता और जम्मू-कश्मीर के राज्य सचिव पवन शर्मा, राजस्व अभिलेखों में उर्दू के इस्तेमाल के संबंध में उमर अब्दुल्ला द्वारा दिए गए बयान की कड़ी निंदा करते हैं। यह कदम राजनीतिक अवसरवाद का एक स्पष्ट उदाहरण है जिसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर को प्रभावित करने वाले वास्तविक मुद्दों को संबोधित करने के बजाय जनता का ध्रुवीकरण करना है। उमर अब्दुल्ला ने कहा था आजादी से पहले भी हमारे राजस्व अभिलेख उर्दू में होते थे। राजस्व विभाग का कोई कर्मचारी अगर उर्दू नहीं जानता तो कैसे काम करेगा। पहले जब जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा (जेकेएएस) और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी नियुक्त होते थे अगर उन्हें उर्दू नहीं आती थी तो उन्हें बुनियादी बातें सीखने का समय दिया जाता था। मुझे नहीं लगता कि राजस्व विभाग के कर्मचारी जो उर्दू नहीं जानते वे कुशल हो सकते हैं। पवन शर्मा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उमर अब्दुल्ला जानबूझकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा यह सच है कि आजादी से पहले जम्मू-कश्मीर समेत पूरे उत्तर भारत में राजस्व रिकॉर्ड फारसी या उर्दू में रखे जाते थे। हालाँकि समय और प्रशासनिक सुधारों के साथ ज्यादातर राज्यों ने हिंदी, अंग्रेजी या स्थानीय भाषाओं को अपना लिया। यहाँ तक कि जम्मू-कश्मीर में भी सरकारी स्कूलों में शिक्षा का माध्यम पूरी तरह से अंग्रेजी हो गया है।

### आंदोलनरत पीडीडी, दैनिक वेतन भोगियों और अन्य लोगों के मुद्दों का समाधान करें: कांग्रेस

**जम्मू।** जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सरकार से आग्रह किया है। आंगनवाड़ी कार्यकताओं और सहायकों के मानदेय को बढ़ाने के अलावा प्राथमिकता के आधार पर विभिन्न विभागों में अन्य आकस्मिक श्रमिकों, आवश्यकता आधारित, समेकित और अन्य अस्थायी कर्मचारियों के अलावा पीडीडी दैनिक वेतनभोगियों के वास्तविक मुद्दों को संबोधित करना। एक बयान में जेकेपीसीसी के मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा ने सरकार से पूछा है। विभिन्न विभागों में दैनिक वेतनभोगियों, आकस्मिक श्रमिकों, आवश्यकता आधारित श्रमिकों के नियमित वेतन और नियमितीकरण की वास्तविक मांगों को संबोधित करने के लिए और संविदा, तदर्थ और समेकित कर्मचारियों सहित अस्थायी कर्मचारियों की विभिन्न श्रेणियों के मुद्दों को भी संबोधित करने के लिए। रविंदर शर्मा पूर्व एमएलसी ने वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों/श्रमिकों की इन श्रेणियों के वास्तविक कारण के लिए समर्थन बढ़ाया है।

# रास्ते खोलने में हमारी मदद करें मशीन मालिक तेल के खर्चे पर दे मशीनें : जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत कार्यों का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों की मदद की। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सड़के अभी नहीं बहाल हुई हैं। सेब का सीजन शुरू होने वाला है। ऐसे में आपदा से जो बाग बगीचे बच गए हैं। उनके उत्पाद को बाजार तक पहुंचाना बहुत बड़ी चुनौती हो गई है। इसके लिए मुख्य मार्ग ही नहीं लिंक रोड भी समय से खोलना पड़ेगा। सड़के खोलने के लिए सरकार के प्रयास अभी भी नाकाफी हैं। इस काम में तेजी लाने के लिए नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश के जेसीबी मशीन मालिकों से मदद करने का अनुरोध किया है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जिनके पास भी मशीन हैं वह हमारी मदद करें और आपदा प्रभावित क्षेत्र में सड़कें खोलने में उन्हें लगाएं। मशीनों के तेल आदि पर होने वाला खर्च हम वहन करेंगे। इस प्रकार के सहयोग से आपदा क्षेत्र में सड़कों की बहाली का काम युद्ध स्तर पर हो पाएगा। नेता प्रतिपक्ष ने इसी के साथ ही यह भी कहा कि वर्तमान स्थिति देखते हुए बहुत सारे लोगों ने हमसे अपने स्तर पर रास्ता खोलने में मदद की बात भी की है। ऐसे लोगों का भी मैं खुले दिल से स्वागत करता हूं जो अपने पूरे खर्चे पर मशीनें लगाना चाहते हैं। मुसीबत के वक्त हमारे साथ खड़े होने के लिए उनका आभार भी प्रकट करता हूं।

उन्होंने कहा कि यदि हमें मशीनें मिल जाएंगी तो भी हम तेल डालकर सड़कें खोलने में जी जान से जुट जाएंगे। ऐसे कुछ लोग अभी भी आगे आए हैं जिन्होंने हालात देखकर मदद की है। उन्होंने कहा कि हमें सेब के सीजन को ध्यान में रखते हुए सभी सड़कें बहुत जल्द खोलनी है और अगर लोगों का सहयोग हमें इस प्रकार मिल जाए तो बहुत जल्दी सभी सड़कें बहाल हो सकती हैं।

जयराम ठाकुर ने कहा कि आपदा प्रभावितों के नाम पर दानी सज्जनों की उदारता का कुछ लोग फायदा उठा रहे हैं। इसलिए दानी सज्जनों से आग्रह है कि आपदा राहत सही मायनों में प्रभावितों तक पहुंचे इसलिए लिए वेरिफिकेशन भी करें।

# नाहन में ब्रह्मकुमारीज द्वारा विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान विषय पर कार्यक्रम

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

ब्रह्मकुमारीज संस्था द्वारा शुक्रवार को नाहन स्थित केंद्र में विश्व एकता एवं विश्वास हेतु ध्यान विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारीज की वरिष्ठ राजयोगिनी बी.के. चंद्रिका मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं जबकि कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल और शिमला संसदीय क्षेत्र से सांसद सुरेश कश्यप विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मुख्य वक्ता बी.के. चंद्रिका दीदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ध्यान को आज वैश्विक स्तर पर महत्व दिया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस वर्ष की थीम में ध्यान को शामिल किया है, जिससे इसकी प्रासंगिकता और प्रभाव को विश्वभर में स्वीकार किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत सदियों से ध्यान और योग की परंपरा का संवाहक रहा है और यह आत्मिक शांति का सबसे सशक्त माध्यम है।

उन्होंने कहा, जैसा संग होगा, वैसा ही रंग चढ़ेगा। यदि हम परमात्मा का संग करें, तो स्वयं भी परमात्मा समान बन सकते हैं। ध्यांन से मन को वश में किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि एक योगी व्यक्ति की स्थिति मान-अपमान, निंदा-स्तुति, सफलता-असफलता तथा जय-पराजय जैसी परिस्थितियों में भी समान बनी रहती है।

# अल्ताफ ठाकुर ने टीआरएफ पर अमेरिकी प्रतिबंध की सराहना की

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने गुरुवार को द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित करने के अमेरिका के फैसले का पुरजोर स्वागत किया और इसे न केवल सत्य की जीत बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की एक बड़ी कूटनीतिक जीत बताया।

ठाकुर ने कहा कि यह कदम पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत के निरंतर रुख की बढ़ती वैश्विक स्वीकृति को दशार्ता है। ठाकुर ने कहा कि अमेरिका द्वारा टीआरएफ को काली सूची में डालना अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक और केंद्रित कूटनीतिक भागीदारी का प्रत्यक्ष परिणाम है। यह साबित करता है कि दुनिया अब भारत की बात सुनती है और उसकी चिंताओं पर कार्रवाई करती है। पाकिस्तान को वैश्विक जिहाद का निर्विवाद मुख्यालय बताते हुए ठाकुर ने कहा कि टीआरएफ कुछ और नहीं बल्कि छद्म लश्कर-ए-तैयबा है - जम्मू-कश्मीर में छद्म युद्ध जारी रखने के लिए पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा बनाया गया एक हथियार।

उन्होंने कहा वैश्विक प्रतिबंधों से बचने के लिए आतंकवादियों को नया नाम देने की पाकिस्तान की रणनीति विफल हो गई है। यह फैसला उसके खेल को उजागर करता है। ठाकुर ने कश्मीर और उसके बाहर तबाही मचाने वाले आतंकवादियों को लगातार पनाह और समर्थन देने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की।

# हर आपदा एक सबक है: मुख्य सचिव

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

आपदा प्रतिरोधक क्षमता और तैयारी को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर ने आज घटना प्रतिक्रिया प्रणाली (आईआरएस) पर एक उच्च-स्तरीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में मुख्य सचिव अटल डुल्लू, प्रमुख सचिव गृह और डीएमआरआरएंडआर चंद्राकर भारती, वरिष्ठ प्रशासनिक सचिव, संभागीय आयुक्त, विभागाध्यक्ष और गृह मंत्रालय के पूर्व वरिष्ठ सलाहकार ब्रिगेडियर कुलदीप सिंह (सेवानिवृत्त) सहित राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ शामिल हुए।

अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य सचिव ने नागरिकों और संस्थानों के बीच आपदा तैयारी की संस्कृति के निर्माण के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आपदाएँ अक्सर बिना किसी चेतावनी के आती हैं और ऐसी हर स्थिति में नागरिक सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले होते हैं। प्रत्येक सक्षम व्यक्ति की नैतिक ज़िम्मेदारी है कि वह जागरूक, तैयार और सक्रिय रहकर आपदा प्रतिरोधक क्षमता में योगदान दे। जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट भू-राजनीतिक और पर्यावरणीय कमजोरियों पर प्रकाश डालते हुए मुख्य सचिव ने भूकंप, हिमनद झीलों के फटने से होने वाली बाढ़ (जीएलओएफ), भूस्खलन, सीमा पार तनाव और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के प्रति केंद्र शासित प्रदेश की संवेदनशीलता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, विभिन्न प्रकार के खतरों के प्रति हमारी संवेदनशीलता को देखते हुए, हमारी तैयारी सर्वव्यापी, संस्थागत रूप से सुदृढ़ और तकनीकी रूप से सक्षम होनी चाहिए।

डुल्लू ने जोर देकर कहा कि आपदा की तैयारी का मापदंड कागजी कार्रवाई से नहीं, बल्कि बचाई गई ज़िंदगियों की संख्या और संकट के दौरान व्यवस्था की संवेदनशीलता से होता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन ने आपदाओं की तीव्रता और आवृत्ति को बढ़ा दिया है, जिससे सरकारों, संस्थानों और नागरिकों पर निर्णायक कार्रवाई करने की ज़िम्मेदारी बढ़ गई है। उन्होंने परिभाषित भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों के साथ स्पष्ट संस्थागत ढाँचे की वकालत की। उन्होंने सक्रिय सामुदायिक सहभागिता, गैर-सरकारी संगठनों, नागरिक समाज और स्थानीय स्वयंसेवकों की क्षमता निर्माण के अलावा जीआईएस मैपिंग, वास्तविक समय मौसम पूर्वानुमान और ड्रोन-आधारित निगरानी जैसी उन्नत तकनीकों के उपयोग को अनुकूलित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने अधिकारियों के लिए मध्य-कैरियर प्रशिक्षण और तत्परता सुनिश्चित करने के लिए नियमित मॉक ड्रिल को एकीकृत करने का भी आान किया। मुख्य सचिव ने जिला और ब्लॉक स्तर पर स्थानीय जोखिम प्रोफाइल के आधार पर आईआरएस प्रोटोकॉल को अनुकूलित करने का आान किया। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में उपलब्ध संसाधनों, मशीनरी, जनशक्ति और संवेदनशील क्षेत्रों का मानचित्रण करने के लिए एक आपदा डैशबोर्ड विकसित करने का प्रस्ताव रखा।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेंजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

# हरियाणा सरकार का दूरदर्शी कदम: भविष्य की नींव के लिए स्थापित किया फ्यूचर विभाग

## मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस ऐतिहासिक पहल को दी मंजूरी

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, जिनके पास वित्त मंत्रालय का भी प्रभार है, ने वर्ष 2025झ26 के बजट में की गई दूरदर्शी घोषणा को साकार करते हुए फ्यूचर विभाग के गठन को अंतिम मंजूरी प्रदान की है। इस महत्वाकांक्षी निर्णय को हरियाणा के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित करने के पश्चात, राज्य सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 21वीं सदी की सरकारें केवल वर्तमान के लिए नहीं, बल्कि भविष्य के लिए भी काम करेंगी। हरियाणा सरकार अब नीति निर्माण को दूरदृष्टि, डेटा विश्लेषण और तकनीकी विशेषज्ञता के आधार पर संचालित करेगी। फ्यूचर विभाग आने वाले वर्षों में हमारे प्रदेश की नींव को और अधिक मजबूत बनाएगा।

हरियाणा की नीतियाँ अब केवल वर्तमान की जरूरतों को नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी समझेंगी। फ्यूचर विभाग का गठन ऐसे समय में हुआ है जब जलवायु परिवर्तन, तकनीकी क्रांति, बढ़ती जनसंख्या और वैश्विक अनिश्चितताएं राज्यों के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत कर रही हैं। इस विभाग का प्रमुख उद्देश्य इन परिवर्तनों का गहन अध्ययन, पूवार्नुमान और सामूहिक नीति निर्माण के माध्यम से प्रभावी समाधान प्रदान करना है।

फ्यूचर विभाग का मुख्य उद्देश्य हरियाणा की सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी भविष्यगत आवश्यकताओं की पहचान करना है। यह विभाग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों के उपयोग की संभावनाओं को नीति निर्माण से जोड़ने पर केंद्रित होगा। साथ ही, युवाओं के लिए भविष्य के कौशल (ऋ४३४१ द''२) विकसित करने वाली योजनाएँ बनाएगा। विभाग का कार्यक्षेत्र मानव संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, कृषि, जल, पर्यावरण और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भविष्य की चुनौतियों का पूवार्नुमान लगाकर, समय रहते समाधान योजना तैयार करना होगा। इसके साथ ही, सभी विभागों की योजनाओं का समन्वय करते हुए दीर्घकालिक रणनीतियाँ विकसित करना भी इसका लक्ष्य होगा। नई तकनीकों के सामाजिक प्रभाव, अवसर और जोखिमों का विश्लेषण कर, विभाग साक्ष्य-आधारित सुझाव प्रदान करेगा। इसके माध्यम से हरियाणा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भूमिका को मजबूत बनाने के साथ-साथ योजना निर्माण में डाटा इंटेलिजेंस और पूवार्नुमान मॉडलिंग को अपनाकर सतत विकास एवं नवाचार आधारित शासन को प्रोत्साहित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह विभाग विशेष रूप से हरियाणा के युवाओं के लिए नई दिशा और अवसर लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि बदलती दुनिया में जहां पारंपरिक नौकरियां और व्यवसाय तेजी से बदल रहे हैं, वहां युवाओं को समय रहते तैयार करना ही भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण नीति होगी। फ्यूचर विभाग न केवल युवाओं के लिए मार्गदर्शक बनेगा, बल्कि नीति निर्माण में भी एक निर्णायक भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'फ्यूचर विभाग' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को मूर्त रूप देने में हरियाणा का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होगा। यह विभाग राज्य सरकार की ट्रिपल इंजन नीति - केंद्र सरकार, राज्य सरकार और प्रौद्योगिकी/नवाचार- के समन्वय से हरियाणा को दृष्टि से लेकर क्रियान्वयन तक एक सशक्त भविष्य की ओर ले जाएगा।

# 26 व 27 जुलाई को सीईटी परीक्षा के लिए सरकार की पूरी तैयारी: नायब सैनी

संवाददाता
चंडीगढ़

- युवाओं को घरों से परीक्षा केंद्र तक लेकर जाने और वापस घर छोड़ने के लिए 9200 बसों की व्यवस्था

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवाओं की मांग को देखते हुए सरकार द्वारा प्रदेश में दूसरी सीईटी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। सरकार ने सीईटी की परीक्षा को लेकर सभी तैयारियों को पूरा कर लिया है। प्रदेशभर से सीईटी ग्रुप-सी के लिए 13 लाख 87 हजार युवाओं ने आवेदन किया। इन आवेदकों की 26 व 27 जुलाई को परीक्षा ली जा रही है। युवाओं को परीक्षा केंद्र तक लेकर जाने और वापस छोड़ने के लिए 9200 बसों की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि बस सुविधा के लिए युवाओं से रजिस्ट्रेशन करवाए जा रहे हैं। सरकार ने हरियाणा रोडवेज की बसों के अलावा प्राइवेट स्कूलों की बसों को भी सीईटी परीक्षा के लिए तैयार किया है। इसके लिए प्राइवेट स्कूलों से आग्रह किया था, ताकि युवाओं और बेटियों को सुविधा मुहैया करवाई जा सके। परीक्षा के समय युवतियों के साथ परिवार का एक सदस्य भी पेपर के समय फ्री में यात्रा कर सकता है।

मुख्यमंत्री ने रॉबर्ट वाड्रा के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि लंबे समय से उन पर केस चल रहा था जिसकी जांच चल रही थी। कांग्रेस ने लंबे समय तक कई गलतियां और भ्रष्टाचार को किया हुआ है जो किसी न किसी दिन तो सामने आने ही थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने शासनकाल में नियमों को ताक पर रखकर गरीब वर्ग को और गरीब और कुछ लोगों को बहुत ज्यादा अमीर बनाने का काम किया, इनमें एक नाम रॉबर्ट वाड्रा भी शामिल है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के संबंध में किए गए सवाल के जवाब में कहा कि भगवंत मान की सरकार के पीछे दूसरी ताकतें काम कर रही हैं जिसके कई कामों का तो मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी पता नहीं होता है।

एक अन्य प्रश्न का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट को विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी की लिस्ट में डाल दिया है। इस संगठन ने पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। उन्होंने अमेरिका के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि इन संगठनों द्वारा लोगों में भय का माहौल बनाकर दहशत पैदा करना है। दूसरे देशों को भी ऐसे कदम उठाने होंगे।

# प्रदेश में यूरिया और डीएपी खाद की कमी भाजपा सरकार के लिए शर्मनाक: सैलजा

संवाददाता
चंडीगढ़

- कहा-बहानेबाजी छोड़कर किसानों के लिए जल्द से जल्द खाद उपलब्ध करवाए सरकार

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में डीएपी और यूरिया खाद को लेकर कई जगहों पर प्रदर्शन हो रहे है जिनमें हिसार, पिहोवा, सिरसा और महेंद्रगढ़ प्रमुख हैं। किसानों ने डीएपी और यूरिया की कमी, कालाबाजारी, और बढ़ी हुई कीमतों को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। स्वयं को किसान हितेषी होने का दावा करने वाली प्रदेश की भाजपा सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है। न तो सरकार खाद की कालाबाजारी रोक पा रही है और न ही खाद की कमी को दूर कर पाई है। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हुई है और किसानों की आवाज विधानसभा से लेकर लोकसभा तक उठाई जाएगी।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हिसार में किसानों ने पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के बैनर तले सरकार का पुतला फूंका और डीएपी-यूरिया की कमी के खिलाफ प्रदर्शन किया। महेंद्रगढ़ में किसानों ने सरकारी खाद बिक्री केंद्र पर यूरिया खाद के लिए लंबी लाइनें लगाईं और खाद की कमी पर विरोध जताया। उकलाना में खाद की कालाबाजारी को लेकर किसानों ने रोष जताया। बरवाला में किसानों ने एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन कर डीएपी और यूरिया की कमी के लिए सरकार की आलोचना की। पिहोवा में किसानों ने नाराज होकर जाम लगा दिया। हिसार चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर जाम के कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

# खेल राज्य मंत्री ने 2022 पैरा एशियन गेम्स के पदक विजेता खिलाड़ियों के लंबित 31.72 करोड़ के कैश अवार्ड किए जारी

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि यह बड़े गर्व की बात है कि प्रदेश के खिलाड़ी ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियन व कॉमनवेल्थ जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में सबसे ज्यादा पदक जीतकर प्रदेश व देश का नाम रोशन कर रहे हैं। प्रदेश सरकार खिलाड़ियों के लिए ज्यादा से ज्यादा खेल सुविधाएं व उनका मनोबल बढ़ाने के लिए कैश अवार्ड मुहैया करवाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि 4 पैरा एशियन गेम्स 2022 में पदक जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों की कैश अवार्ड की मांग थी। खिलाड़ियों की इस मांग को पूरा करते हुए प्रदेश के विभिन्न जिलों के 13 खिलाड़ियों के 19 करोड़, 72 लाख 50 हजार रुपये के और 4 खिलाड़ियों के 12 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। बता दें कि प्रदेश सरकार की ओर से स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़, रजत पदक विजेता को 1.50 करोड़ और कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी को 75 लाख रुपये का अवार्ड दिया जाता है।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रदेश व देश की तरक्की में उसके स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मन के लोगों का अहम योगदान होता है। इसी को ध्यान में रखकर प्रदेश सरकार ने खेल नीति बनाई है और इसका लाभ उठाकर हमारे खिलाड़ी लगातर पदक जीतकर खेलों में सफलता के नए आयाम छू रहे हैं। देश के दूसरे प्रदेश भी हमारी खेल नीति का अनुशरण कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पैरा खिलाड़ी प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। ये खिलाड़ी न सिर्फ देश के लिए पदक जीत रहे हैं बल्कि अपनी प्रतिभा दिखाकर दमखम की मिशाल भी पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार न सिर्फ खिलाड़ियों को आर्थिक मजबूती दे रही है बल्कि खेल के दौरान चोटिल होने पर उनके इलाज का खर्च भी वहन कर रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रदेश में 1500 खेल नर्सरियां खोली गई हैं, जिनमें अभ्यास कर खिलाड़ी लगातार पदक जीत रहे हैं।

खेल मंत्री गौरव गौतम ने बताया कि हरियणा खेल महाकुंभ का 28 से 30 जुलाई, 2025 तक आयोजन होना था। इसी प्रतियोगिता के नजदीक सीईटी व एचटेट की परीक्षा होनी है। इस वजह से अभ्यार्थियों व खिलाड़ियों को कोई असुविधा न हो, इसलिए उन्होंने खेल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे खेल महाकुभं की तिथि में बदला करें। खेल महाकुंभ अगस्त, 2025 में करवाए जाएंगे और इसकी जल्द ही तिथि तय कर दी जाएगी।

## संक्षिप्त-समाचार

### कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन से की मुलाकात

**चंडीगढ़।** हरियाणा की महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने आज केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन से उनके दिल्ली स्थित निवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान श्रुति चौधरी ने केंद्रीय वित्त मंत्री से प्रदेश की प्रगति, विकास व जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा की। श्रुति चौधरी ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को हरियाणा के विकास को लेकर चल रही अनेक परियोजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

### गुरुग्राम: जल्द शुरू होगी जंगल सफारी के पहले चरण का काम

**गुरुग्राम।** हरियाणा के वन एवं वन्यजीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने शुक्रवार को केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल तथा केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ मुलाकात कर अरावली क्षेत्र में प्रस्तावित विश्व की सबसे बड़ी जंगल सफारी परियोजना को लेकर विस्तृत चर्चा की। वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने बैठक में हुई बातों को सांझा करते हुए बताया किलगभग 10,000 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जाने वाली जंगल सफारी की महत्वाकांक्षी परियोजना पूरे एनसीआर को हरित और टिकाऊ पर्यावरण की दिशा में नई पहचान दिलाएगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना चार फेज में विकसित की जाएगी। जिसमें पहले फेज में 2500 एकड़ क्षेत्र को परियोजना के निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले फेज का कार्य जल्द शुरू होगा। राव ने कहा कि यह परियोजना हरित पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ वन्यजीवों के संरक्षण में भी एक अहम भूमिका निभाएगी।

### गुरुग्राम के एचएसवी ग्लोबल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हडकंप

**गुरुग्राम।** शुक्रवार को गुरुग्राम समेत एनसीआर के 25 स्कूलों को बस से उड़ाने की धमकी भरी ईमेल मिलने से हडकंप मच गया। गुरुग्राम के सेक्टर-46 के एचएसवी ग्लोबल स्कूल में जब ईमेल खोली गई तो उस पर आई एक मेल ने स्कूल में हडकंप मचा दिया। सेक्टर-46 के एचएसवी ग्लोबल स्कूल को गुरुवार की रात को साढ़े 12 बजे के करीब सुसाइड बाई शॉटगन के नाम से एक ईमेल भेजी गई थी। उस ईमेल में लिखा था कि-स्कूल के अलग-अलग क्लास रूम में काली पॉलिथीन में विस्फोटक सामग्री रखी गई है। स्कूल की ओर से इस बात की सूचना सेक्टर-50 पुलिस थाना को जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉयड व पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्कूल में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। सर्च अभियान के दौरान स्कूल के एक-एक क्लास रूम को खाली कराकर तलाशी ली गई। करीब दो घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। पूरे स्कूल की जांच के बाद कुछ नहीं मिला। तब जाकर स्कूल और पुलिस ने राहत की सांस ली। पुलिस का कहना है कि ईमेल भेजने वाले की पहचान की जा रही है। जल्द ही उसे काबू किया जाएगा।बस फटने की खबर मीडिया में चलेगी तो मैं सुसाइड कर लूंगा।

### निर्माण कार्यों में कोताही पर मेयर ने रोका काम

**सोनीपत।** के ककरोई रोड पर लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे गड्ढ़ा भराई कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कार्य को तत्काल प्रभाव से रुकवा दिया। उन्होंने कहा कि अगर गढ्ढे सही ढंग से नहीं भरे जा सकते, तो यह कार्य नगर निगम स्वयं करवाएगा। मेयर ने शुक्रवार को मौके पर पहुंचकर विभागीय कार्य की समीक्षा की और कार्यकारी अभियंता प्रशांत कौशिक को फोन कर वस्तुस्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि न तो गढ्ढों की पहले सफाई की गई, न ही रोड़ी डालकर उस पर दुरमुट चलाया गया। इससे कुछ ही दिनों में सड़क पर रोड़ी बिखरने की संभावना है, जो नगर निगम की बदनामी का कारण बन सकती है।

# गन्ना उत्पादक किसानों के एरियर का जल्द भुगतान किया जाए: श्याम सिंह राणा

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों का गन्ना की बिक्री होते ही जल्द भुगतान किया जाए। उन्होंने किसानों के बकाया भुगतान का भी शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए।

राणा आज यहां विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक राजनारायण कौशिक , स्हरियाणा स्टेट फेडरेशन ऑफ कोपरेटिव शुगर मिल्सस्र के प्रबंध निदेशक शक्ति सिंह समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों से नारायणगढ़ शुगर मिल से संबंधित गन्ना उत्पादकों के बकाया भुगतान के बारे में विस्तार से चर्चा की और इस दिशा में यथाशीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मिल में गन्ना-पिराई का कार्य निरंतर चलता रहना चाहिए और किसानों के गन्ने का भुगतान भी साथ -साथ करते रहें।

राणा ने बैठक के बाद कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति संकल्पबद्ध है। सरकार का प्रयास है कि किसानों की खेती की लागत कम हो और उनकी पैदावार लगातार बढ़ती रहे। खेत की मिटटी की सेहत अच्छी रखने के लिए प्रयोगशालाओं में जांच करने के बाद किसानों को फसल की बिजाई की सलाह दी जा रही है। अच्छी गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं और रासायनिक खाद पर निर्भरता कम से कम हो, इसके लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। प्राकृतिक खेती की तरफ किसानों को आकर्षित करने के लिए कई प्रकार की रियायतें भी दी जा रही हैं।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य के किसानों को परम्परागत खेती की बजाए आधुनिक अथवा विविधीकरण के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है।

# विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने घरौंडा हलके को दी सवा करोड़ की दो विकास परियोजनाओं की सौगात

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आज घरौंडा हलके में सवा करोड़ की दो विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने सफाई सर्वेक्षण में देश में करनाल को तीसरा, सोनीपत को 38वां और घरौंडा को जिला में पहला स्थान मिलने पर सभी आमजन को बधाई दी। साथ ही भविष्य में भी घर और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाए रखने और सफाई को आदत में शुमार करने की अपील की।

हरविन्द्र कल्याण ने आज नगरपालिका घरौंडा के अधीन पड़ने वाले क्षेत्र घरौंडा से बसताड़ा रोड से तेलू राम डेरा तक राजस्व रास्ते के निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया। इसके बाद उन्होंने घरौंडा के वार्ड-6 की भोला कॉलोनी में सामुदायिक केंद्र के हॉल का शिलान्यास किया।

उन्होंने सफाई सर्वेक्षण में करनाल को देश में तीसरा और घरौंडा को जिला में प्रथम स्थान पाने पर नगर पालिका की पूरी टीम, चेयरमैन, पार्षदों अधिकारियों, कर्मचारी, लोगों और सफाई कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने लोगों से अपील की कि घर की सफाई के साथ-साथ गली-मोहल्ले की सफाई भी करें। सफाई रखने से कई बीमारी से भी बचा जा सकता है।

हरविन्द्र कल्याण ने घरौंडा के पास गुरुद्वारे में माथा टेका तथा इलाके की तरक्की व खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि गुरुओं ने समाज सेवा को जो रास्ता दिखाया है उसी पर चलते हुए वे भी क्षेत्र की प्रगति और लोगों को अधिकाधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की सोच के साथ पूरी ईमानदारी से कार्य के निर्वहन में लगे हैं।

# एमडीयू-आईटीसी होटल्स के बीच अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम की ऐतिहासिक शुरूआत

संवाददाता
चंडीगढ़

- एमडीयू बना एईडीपी प्रारंभ करने वाला बना देश का प्रथम सरकारी विश्वविद्यालय

हरियाणा के रोहतक में स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) ने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए आईटीसी होटल्स (क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब) के साथ अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) शुरू करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह एमओयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। एमडीयू की ओर से कुलसचिव डा. कृष्णकांत तथा आईटीसी होटल्स की ओर से वाइस प्रेजिडेंट प्रदीप कुमार ने औपचारिक रूप से इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस उपलब्धि के साथ एमडीयू देश का पहला सरकारी विश्वविद्यालय बन गया है, जो प्रतिष्ठित होटल समूह के सहयोग से इस प्रकार का व्यावसायिक डिग्री कार्यक्रम आरंभ कर रहा है।

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने बताया कि एमडीयू की यह पहल शिक्षा-उद्योग साझेदारी में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि एमडीयू का उद्देश्य हमेशा से ही गुणवत्तापूर्ण, समसामयिक और रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करना रहा है और यह एमओयू उसी दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

कुलपति ने कहा कि इस एमओयू के तहत प्रारंभ होने वाले पाठ्यक्रमों के तहत विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान ही होटल इंडस्ट्री की वास्तविक कार्य प्रणाली से जोड़ने का अवसर मिलेगा। यह उन्हें न केवल रोजगारपरक बनाएगा, बल्कि कौशल विकास को भी नई दिशा देगा।

## 100 बिस्तर के भवन को क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) की तरह बनाया जाएगा

# अम्बाला छावनी सिविल अस्पताल में 100 बिस्तर के भवन का निर्माण कार्य शुरू: अनिल विज

संवाददाता
चंडीगढ़

- गंभीर मरीजों को सेंटर में मिलेगी बेहतर चिकित्सा सुविधाएं
- भवन का शेष निर्माण कार्य 14.79 करोड़ रुपए की लागत से होगा पूरा

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी सिविल अस्पताल में 100 बिस्तर के भवन का निर्माण कार्य पुनः शुरू कर दिया गया है। यह भवन अत्याधुनिक चिकित्सीय सुविधाओं से लैस होगा जिसे क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) की तर्ज पर बनाया जाएगा और यहां मरीजों को बेहतरीन उपचार मिलेगा।

उन्होंने बताया कि इस 100 बिस्तर के भवन के निर्माण होने से अंबाला छावनी सिविल अस्पताल की क्षमता 200 बिस्तर की हो जाएगी। इसके अलावा, इस नए भवन का डिजाईन इस प्रकार से तैयार किया गया है कि सामान्य मरीजों को संक्रमण का खतरा न उठाना पड़े।

विज ने बताया कि पहले भवन का निर्माण कार्य, माननीय हाईकोर्ट में केस होने की वजह से रुक गया था जिसके बाद ऑबिर्टेशन में जाने पर दोबारा से निर्माण कार्य के अब टेंडर हुए हैं। अब 14.79 करोड़ रुपए की लागत से भवन का शेष निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में सिविल अस्पताल में 100 बिस्तर की ही सुविधा है, लेकिन लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या के कारण अस्पताल में बिस्तर की कमी महसूस होने लगी थी इसीलिए नए भवन का निर्माण किया जा रहा है।

दो बेसमेंट फ्लोर - नई बिल्डिंग में कुल सात फ्लोर होंगे, जिनमें दो बेसमेंट फ्लोर होंगे, इसमें एक फ्लोर पर वाहनों की पार्किंग होगी जबकि दूसरे फ्लोर पर एसी प्लांट व गैस प्लांट लगाया जाएगा। ग्राउंड फ्लोर - ग्राउंड फ्लोर में रजिस्ट्रेशन-कम-रिसेप्शन सेंटर, इमरजेंसी सर्विस उपलब्ध होगी, शौचालय व अन्य सुविधाएं होंगी। पहला फलोर- पहले फ्लोर पर ईमरजेंसी वार्ड होंगे जिनमें 28 बेड होंगे। दूसरा फ्लोर - दूसरे फ्लोर पर इनफेक्टिव आईसीयू (इनटेंसिव केयर यूनिट)। तीसरा फ्लोर - तीसरे फ्लोर पर इनफेक्टिव ओटी, सुपर स्पेशलिस्ट ओटी तथा वार्ड होंगे। चौथा फ्लोर - चौथे फ्लोर पर इनफेक्टिव ओटी, इनफेक्टिव ओटी, सुपर स्पेशलिस्ट ओटी तथा वार्ड होंगे तथा जीवन रक्षक साबित होगी क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू)। उल्लेखनीय है कि 100 बेड बिल्डिंग को क्रिटिकल केयर यूनिट की तरह तैयार किया जा रहा है जहां गंभीर या आपात समय में मरीजों को बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध होगी। क्रिटिकल केयर में मरीज की हालत की लगातार निगरानी के लिए आवश्यक उपकरण, जरूरी दवाओं की व्यवस्था और मरीज की स्थिति के आधार पर चिकित्सीय निर्णय लेना शामिल होता है। क्रिटिकल केयर यूनिट में दिल की धड़कनों, रक्तचाप, और अन्य महत्वपूर्ण शारीरिक संकेतों पर कड़ी नजर रखी जाती है। इससे डॉक्टर तुरंत किसी भी असामान्य लक्षण को पहचान कर त्वरित इलाज कर सकते हैं। सीसीयू में ऑक्सीजन सपोर्ट, दवाओं का इस्तेमाल, इमरजेंसी प्रोसीजर, पोस्ट-केयर व रिकवरी आदि सुविधा रहती है। सीसीयू में कोरोना व अन्य बीमारियों के लिए भी अलग से चिकित्सीय सुविधा होती है, इनके भी अलग वार्ड होंगे।

संपादकीय

# 24 घंटे में तीन मिसाइलें दागीं! भारत का दमदार शक्ति प्रदर्शन पूरी दुनिया में गूंजा

भारत ने रक्षा क्षेत्र में ऐसा अभूतपूर्व कदम उठाया, जिसने न केवल देश के सामरिक आत्मविश्वास को मजबूत किया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी सैन्य ताकत का स्पष्ट संकेत दिया है। इस दिन भारत ने एक ही समय में तीन अत्याधुनिक मिसाइलों – अग्नि-1, पृथ्वी-2 और आकाश प्राइम – का सफल परीक्षण किया। ये परीक्षण विभिन्न दिशाओं और खतरों को जवाब देने की भारत की बहुस्तरीय क्षमता को दशार्ते हैं। अग्नि-1 मिसाइलः भारतीय सामरिक बल कमांड द्वारा ओडिशा के अब्दुल कलाम द्वीप से दागी गई अग्नि-1, 700 किमी तक मार करने वाली परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइल है। इसका उद्देश्य देश की स्ट्रैटेजिक डिटरेंस क्षमता को प्रदर्शित करना था। यह परीक्षण दशार्ता है कि भारत की न्यूनतम प्रतिकार नीति केवल कागजी दस्तावेज नहीं, बल्कि पूरी तरह से सशक्त और क्रियाशील है। पृथ्वी-2 मिसाइलः यह लिक्विड फ्यूल आधारित बैलिस्टिक मिसाइल 350 किमी तक के लक्ष्य को भेद सकती है। इसकी खासियत यह है कि यह पारंपरिक और परमाणु दोनों प्रकार के हथियार ले जाने में सक्षम है। इसका सफल परीक्षण यह दशार्ता है कि भारत की तकनीकी परिपक्वता अब ऐसे स्तर पर पहुंच चुकी है जहाँ जमीनी सुरक्षा मजबूत और जवाबी कार्रवाई तीव्र हो सकती है। आकाश प्राइम मिसाइलः राजस्थान के पोखरण में किया गया यह परीक्षण एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का था। यह तेज रफ्तार हवाई लक्ष्यों को ट्रैक कर उन्हें सटीकता से खत्म करने में सक्षम है। इसकी तैनाती भारत के एयर डिफेंस को अत्याधुनिक बना देती है, खासकर ऐसे समय में जब ड्रोन और क्रूज मिसाइलों का उपयोग बढ़ रहा है। तीनों मिसाइलों के परीक्षणों का एक साथ होना केवल सैन्य अभ्यास नहीं है। यह बहुआयामी रक्षा रणनीति का प्रतीक है। भारत ने यह दिखाया है कि वह जल, थल और वायु – तीनों मोर्चों पर न केवल सजग है, बल्कि सक्रिय और आत्मनिर्भर भी। चीन और पाकिस्तान को स्पष्ट संदेशः भारत की पूर्व और पश्चिम सीमाओं पर बढ़ती गतिविधियों के बीच यह परीक्षण यह दशार्ता है कि भारत अपने क्षेत्रीय दुश्मनों को हल्के में लेने वाला नहीं है। अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक समुदाय को संकेतः ये परीक्षण केवल क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं हैं। भारत ने वैश्विक मंच पर यह साबित कर दिया है कि वह उभरती महाशक्तियों में से एक है, जिसकी सामरिक तैयारी विश्व स्तरीय है। ह्यमेक इन इंडियाह्ल और आत्मनिर्भरता का प्रदर्शनः इन सभी मिसाइलों का विकास डी आर डी ओ द्वारा किया गया है, जो यह साबित करता है कि भारत अब रक्षा क्षेत्र में विदेशी निर्भरता से मुक्त होकर अपने दम पर खड़ा है। अग्नि-1, पृथ्वी-2 और आकाश प्राइम – तीनों मिसाइलों के सफल परीक्षणों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब न केवल रणनीतिक रूप से सक्षम है, बल्कि हर संभावित खतरे का सामना करने को तैयार भी है। यह दिन भविष्य की रक्षा योजनाओं की नींव भी है और एक सशक्त, आत्मनिर्भर और सजग भारत का संकेत भी।

## दादी-नानी की लोरियों से दूर होता बचपन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (हि.स)

बचपन हर गम से बेगाना होता है...। यह 1975 की फिल्म 'गीत गाता चल' का किशोर कुमार का गया गीत है। इस दौर के गीत को हम सबने कभी न कभी जरूर सुना होगा। और कभी न कभी दादी के घर से मामा के घर जाने पर वहां भी नानी से लोरियां और कहानियां सुनी होंगी। अब दादी-नानी की कहानियां बीते जमाने की बात हो गई हैं। इन कहानियों और लोरियों के सकारात्मक संदेश सुनकर पली-बढ़ी पीढ़ी आज का मौजूदा परिदृश्य देखकर हैरान है। अब के बच्चे इस सामाजिक दायरे से कट चुके हैं।

वैश्विक अध्ययनों से यह साफ हो गया है कि इसके नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। 1996 से 2010 की पीढ़ी इस तथ्य को अभी समझ नहीं पा रही है पर इन अध्ययनों ने साफ कर दिया है कि हालात यही रहे तो आने वाली पीढ़ी से संवेदनशीलता और अच्छे-बुरे की बात करने का कोई मायने नहीं रख जाएगा।

दरअसल आज के बच्चों की दुनिया में मोबाइल फोन गहरे तक घर कर चुका है। टीवी स्क्रीन पर खुराफाती, हिंसात्मक, नकारात्मक और दुश्चक्र रचते धारावाहिक उनके दिल और दिमाग को मथ रहे हैं। इसका नतीजा है कि बच्चों में हिंसा, बदले की भावना और ईर्ष्या की भावना पनप रही है। उन्हें बंद कमरों में अकेला रहना रास आने लगा है। मोबाइल में आत्मघाती गेम्स खेलना शगल बन चुका है। इस परिदृश्य से कभी-कभी रिश्ते भी तार-तार होने लगे हैं। अपने में सिमटती इस पीढ़ी से देश और समाज को सकारात्मकता दे पाने की उम्मीद बेमानी लगने लगी है।

दरअसल दादी-नानी की कहानियां भले ही कपोल कल्पित होती थीं पर वह कोमल मन को सकारात्मक संदेश देती थीं। बच्चों में पढ़ने-पढ़ाने की आदत डाली जाती थी। पुस्तकालय में जाकर बच्चे ज्ञान अर्जित करते थे। आज पुस्तकालय का अर्थ किराये के स्थान पर बना केबिननुमा दड़बा हो गया है। किताबें भी ऐसी होती हैं कि वह रास नहीं आतीं। एक जमाने में ज्ञानवर्द्धक पुस्तकें, समाचार पत्र-पत्रिकाएं आदि होते थे।

अब पढ़ने-पढ़ाने की आदत ही समाप्त होती जा रही है। एक समय था जब वार्षिक परीक्षाओं के बाद बारी-बारी से दादी-नानी के घर घमाचौकड़ी होती थी। मजे की बात यह कि सभी मिजाज के हम-उम्र बच्चे होने से आपसी तालमेल की शिक्षा भी मिल जाती थी। फिर रात को दादी-नानी के साथ सोने और सोने से पहले कहानियां सुनने का सिलसिला चलता था। चंदा मामा, चंपक सहित बहुत सी बच्चों की पत्रिकाएं घर में होना और बच्चों के पास होना गौरव की बात माना जाता था। खैर यह बीते जमाने की बात हो गई है। अब तो गूगल गुरु ने लगभग सभी को इससे दूर कर दिया है।

डिजिटल युग के इस दौर में सोशल मीडिया के माध्यम समूचे समाज को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं। शहरीकरण के साथ ही संयुक्त परिवार का स्थान एकल परिवार ने ले लिया है। बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में ही जुटा देने और होमवर्क और ट्यूशन कल्चर ने पढ़ाई की दशा और दिशा को ही बदल दिया है। कोरोना के बाद तो बच्चे पढ़ने के लिए मोबाइल के दास हो गए। अब तो स्कूलों में भी सभी संदेश मोबाइल पर ही देने का चलन चल गया है और इससे स्कूल की डायरी का भी कोई महत्व नहीं रह गया है।

ऐसे में मोबाइल ही सबका माध्यम बन गया है। एक समय था जब बच्चों को कोर्स में पढ़ाई जाने वाली पुस्तकों के इतर मानसिक और चारित्रिक विकास वाले साहित्य को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता था। आज पंचतंत्र, हितोपदेश की कहानियां यह पीढ़ी नहीं जानती। सोशल मीडिया, आभासी दुनिया, एकल और प्रतिस्पर्धात्मक पारिवारिक स्थिति ने बालपन से उनका बचपन छीन लिया है। अवकाश के दिनों में दादा-दादी या नाना नानी के घर जाने का रिवाज बंद हो गया। अब लोग उन्हें पिकनिक या पर्यटन स्थल पर ले जाते हैं। इसलिए सोच में बदलाव की आवश्यकता है।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

## नशा मुक्त युवा, विकसित भारत का सारथी

डॉ. मनसुख मांडविया (हि.स)

कहा जाता है कि अगर किसी देश को आगे बढ़ना है, विकसित होना है, तो उसका युवा सशक्त और समर्थ होना चाहिए। विश्व में भारत ऐसा देश है, जहां सबसे अधिक युवा आबादी है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो उसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारी युवा शक्ति ही निभाएगी। देश के विकास की रफ्तार युवाओं की ऊर्जा, विचार और संकल्प से ही तय होती है।

लेकिन आज राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, अपने युवाओं को नशे की लत से दूर रखना। वर्तमान में युवा वर्ग नशे के घेरे में आता जा रहा है। यह नशा न केवल उनके स्वास्थ्य बल्कि करियर, सपनों और देश की ताकत को भी प्रभावित कर रहा है। एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 10 से 24 वर्ष की उम्र के हर 5 में से 1 युवा ने कभी न कभी ड्रग्स का सेवन किया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अक्म्ट्र) की रिपोर्ट के अनुसार, 8.5 लाख से अधिक बच्चे ड्रग्स की लत का शिकार हैं। ये आंकड़े बेहद डरावने और चिंतन योग्य हैं।

ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के खात्मे के लिए भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में कई प्रभावी कदम उठाए हैं। 2020 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने 'नशा मुक्त भारत अभियान' की शुरूआत की। नशे की लत को रोकने और पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार ने राष्ट्रीय नशा मुक्ति केंद्र (क्म्छ्अ२) और आउटरीच-कम-ड्रॉप-इन सेंटर (डउक्रुउ२) की स्थापना की। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए गए। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (ठउइ) ने ड्रग माफिया के विरुद्ध सशक्त ऑपरेशन्स किए। साथ ही, देशभर में युवाओं की काउंसलिंग हेतु हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भी स्थापित किए गए। इसके अलावा विभिन्न राज्यों में भी स्थानीय प्रशासन, गैर-सरकारी संस्थाओं और सामाजिक कार्यकताओं के सहयोग से नशे के विरुद्ध कई बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं।

भारत इस लड़ाई को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में ट ईँ१३ ने एक बड़ी पहल की है। बाबा काशी विश्वनाथ की धरती से 19 से 20 जुलाई तक 'युवा आध्यात्मिक समिट' का आयोजन किया जा रहा है। इसका थीम होगा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत'। वाराणसी के पावन घाटों पर आयोजित होने वाले इस समिट का उद्देश्य, एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाना है, जो युवाओं के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान को सशक्त बनाए।

इस समिट में देशभर की 100 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं के युवा प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएं भी इसमें सहभागिता करेंगी। इसके माध्यम से युवाओं को एक ऐसा मंच मिलेगा, जहां वो अपनी आवाज को सरकार और नीति निमार्ताओं तक पहुँचा सकेंगे।

इस समिट में देश की नशे के विरुद्ध लड़ाई को मजबूत करने के लिए विभिन्न सेशन्स आयोजित किए जाएंगे। इसमें नशे की प्रवृत्ति, इसकी प्रकृति, प्रकार, पीड़ितों की जनसांख्यिकी, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव और सरकार तथा ट ईँ१३ के युवा स्वयंसेवकों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श और चर्चा होगी। साथ ही नशे की लत से उबरने वाले युवाओं की प्रेरक कहानियां और उनके अनुभव भी साझा किए जाएंगे, ताकि अन्य युवा उनसे प्रेरणा ले सकें।

अंत में एक 'काशी डिक्लेरेशन' जारी किया जाएगा, जो अगले पांच वर्षों के लिए नशा मुक्ति अभियान का रोडमैप होगा। इसमें यह तय किया जाएगा कि युवाओं को किस प्रकार नशे से दूर रखा जाए, नशे की गिरफ्त में आए लोगों की कैसे सहायता की जाए और पूरे देश में जागरूकता अभियान को किस तरह तेज किया जाए।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश की अमृत पीढ़ी के सपनों का भारत बनाने की बात करते हैं। उनके विजन के अनुरूप, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम, एक समग्र और प्रभावशाली पहल का उदाहरण बनेगा। यह पहल न केवल युवाओं को नशे से दूर रखने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में भी सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

देश को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हमारी युवा शक्ति की है। काशी में आयोजित होने वाला 'युवा आध्यात्मिक समिट' इस लक्ष्य की दिशा में केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना का प्रारंभ स्थल बनेगा। यह नशे के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान को नई दिशा और ऊर्जा देगा। साथ ही, युवाओं में नैतिक मूल्यों, सामाजिक ज़िम्मेदारी और आत्म-संयम का ऐसा भाव जागृत करेगा, जो न केवल उन्हें अपने जीवन में सार्थकता देगा, बल्कि देश को भी आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का माध्यम बनेगा। काशी की पवित्र धरती से उठने वाली यह पुकार, हर युवा के मन में जागृति और देशभक्ति का नया प्रकाश भर देगी और यही संकल्प 2047 के विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा।

(लेखक-केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार)

## गिरहकट

पन्ना, मैक, लंबू, हीरा, छोटू इनके असली नाम नहीं थे लेकिन दुनिया अब इसे ही इनका असली नाम मानती थी।

मंगल प्रसाद गुप्ता ही पन्ना था, मथुरादास पांडे मैक बन चुका था। लंबू का असली नाम खलील अहमद था। अब का हीरा कभी हरजिंदर हुआ करता था और आफताब को सब छोटू के नाम से जानते थे।

वैसे तो ये लोग अलग-अलग धर्मों के थे मगर एक ही चीज थी जो इन्हें जोड़ती थी वो था इनका लक्ष्य। ये मजहब से अलग मगर मकसद से एक थे। इन सभी का इकलौता लक्ष्य था दूसरे की जेबों से माल उड़ाना।

ये पोशीदा भेड़िये थे जिन्हें दुनिया गिरहकट के नाम से जानती थी।

ये शहरी जंगलात के भेड़िये थे। मगर ये भी वास्तविक जंगल के भेड़ियों की तरह समूह में शिकार किया करते थे। जिसने कामयाबी से शिकार किया सबसे पहला और बड़ा हिस्सा उसका, लेकिन झुंड में सभी को हिस्सा मिलता था।

कोई रेकी करता था। कोई पॉकेट पर हाथ मारता था तो कोई बटुआ लेकर भागता था, कुछ का रोल इसके बाद शुरू होता था। इन सभी शहरी भेड़ियों ने पूरी ट्रेनिंग ले रखी थी।

टास्क शुरू हुआ, एक वृद्ध महिला को पन्ना ने स्पॉट किया और उसने मैक को काम करने का इशारा किया।

बस में चढ़ने की जद्दोजहद कर रही वृध्द महिला को पन्ना ने बस में चढ़ाते हुए कहा -

'आंटी जी ,जल्दी कीजिये मैं सहारा देता हूँ ना आपको 'ये कहकर बस में चढ़ाते हुए उसने उस वृध्द महिला का छोटा सा बटुआ ब्लाउज से खींच लिया।

आंटी पन्ना की ये हरकत जान गयीं । उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया । भीड़ जब तक कुछ समझ पाती तब तक पन्ना ने बटुआ पहले से बस में मौजूद मैक की तरफ उछाल दिया। पन्ना बस में घिर गया मगर मैक ने बटुआ कैच किया और तत्काल बस की खिड़की से बाहर कूद गया। सब लोग बटुआ लिए मैक की तरफ भागे तब तक भीड़ से हाथ झटक कर पन्ना भी भाग निकला।

पकड़े जाने पर मैक की बेतहाशा पिटाई शुरू हो गई।

गिरहकट को पीट रहे दोनों युवकों के सामने अचानक एक तीसरा युवक आया। वो पिटाई शांत कराते हुए बोला -

'बहुत पिट चुका है ये अब और ज्यादा मारोगे तो ये मर जायेगा। फिर पुलिस का लफड़ा हो जायेगा। वैसे भी पैसे तो आंटीजी को वापस मिल ही चुके हैं । एक काम करो इसे कोतवाली ले चलते हैं। वहाँ पर पुलिस इनकी कायदे से तुड़ाई भी करेगी और जेल भी भेज देगी ,तब इनकी अक्ल ठिकाने आएगी '।

तीसरे युवक की बात सुनकर दोनों युवकों ने पीटना बंद कर दिया और भीड़ ने भी तीसरे युवक की बात का समर्थन किया , वास्तव में पुलिस के लफड़े में कोई नहीं पड़ना चाहता था चाहे पीड़ित हो या भीड़।

भीड़ ने न सिर्फ उन तीनों युवकों की तारीफ की बल्कि उनकी सजगता के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त की।

मैक को पीटने वाले लंबू और हीरा थे। रस्सी लाने वाला युवक छोटू था।

पकड़ने, पीटने और पुलिस तक पहुंचाने की बात करने वाले सब गिरहकट ही थे जो जंगली भेड़ियों की तरह समूह में शिकार पर थे ।

## आज का राशिफल

**मेषः** परिवार में बुजुर्गों के साथ संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। घर में धार्मिक आयोजन की संभावना है जिससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। व्यवहारिक सोच के कारण जटिल समस्याओं को भी आप कुशलता से सुलझा लेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़ी दिक्कतों से राहत मिल सकती है।

**वृषभः** आज घर की साज-संभार में रुचि रहेगी। रोगी जातकों को स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। कुछ लोग मानसिक तनाव देने की कोशिश कर सकते हैं। पारिवारिक और ससुराल पक्ष के साथ संबंधों में खटास आ सकती है। मानसिक द्वंद्व बना रह सकता है।

**मिथुनः** आपके अच्छे कार्यों की सराहना होगी और सम्मान प्राप्त हो सकता है। दाम्पत्य जीवन में मधुरता रहेगी। करियर में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। अधूरे कामों की शुरूआत के लिए समय अनुकूल है। निर्माण व प्रॉपर्टी से जुड़े लोगों को आय में लाभ होगा।

**कर्कः** आज आप शांति से समय बिताना पसंद करेंगे। आर्थिक दृष्टि से यह दिन काफी लाभदायक रहेगा। धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों को आप अच्छे से निभाएंगे। जल्दबाजी में निर्णय लेने से नुकसान हो सकता है, सतर्क रहें।

**सिंहः** व्यवसायिक यात्रा के योग बन रहे हैं। बहस से दूर रहें और संयम बनाए रखें। लव लाइफ में पुराने साथी से मुलाकात संभव है। उच्च शिक्षा में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। समाज में आपकी सोच को महत्व मिलेगा। अधिकारियों से बेहतर संबंध बनेंगे।

**कन्याः** जिसकी मदद करेंगे वही आपको धोखा दे सकता है, सतर्क रहें। भूमि या संपत्ति विवाद तनाव का कारण बन सकते हैं। पारिवारिक माहौल थोड़ा अशांत हो सकता है। किसी से बड़ा आर्थिक लेन-देन करने से बचें। हृदय रोगियों को स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा।

**तुलाः** दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सहयोग बना रहेगा। आय में वृद्धि आत्मविश्वास बढ़ाएगी। मित्रों के साथ आनंददायक समय बीतेगा। सरकारी नौकरी में प्रमोशन या सराहना मिल सकती है। भाई-बहनों का सहयोग कार्यक्षेत्र में सफलता दिला सकता है।

**वृश्चिकः** नए लोगों से मुलाकात और अच्छे संबंध बनेंगे। संतान शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। घर में परिजनों के लिए शॉपिंग की संभावना है। अनावश्यक रूप से दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। योजनाओं को गोपनीय रखना ही फायदेमंद रहेगा।

**धनुः** वैवाहिक जीवन में प्रेम और तालमेल रहेगा। कामकाज में दक्षता और निपुणता बढ़ेगी। कोई बड़ा निवेश करने का मौका मिल सकता है। परोपकारी भावना प्रबल होगी। हालांकि, यश और प्रशंसा के कारण अहंकार बढ़ सकता है, जिससे बचना होगा।

**मकरः** बेवजह खर्चों से बजट बिगड़ सकता है। मां के साथ संबंध बेहतर बनाने का प्रयास करें। ऑफिस में कुछ लोग जलन की भावना रख सकते हैं। मानसिक रूप से कमजोरी महसूस हो सकती है। कोई गुप्त शत्रु आपको अपनों के खिलाफ भड़का सकता है।

**कुंभः** आपके प्रभाव और नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी। शुभ समाचार मिलने से दिन सकारात्मक रहेगा। करियर को लेकर दोस्तों के साथ चर्चा फायदेमंद हो सकती है। कार्यभार के बावजूद प्रदर्शन अच्छा रहेगा। जीवनसाथी भावनाओं को समझेगा।

**मीनः** व्यापारिक समस्याओं का हल निकालने में सफल होंगे। माता-पिता से संबंध मजबूत रहेंगे। गले से जुड़ी तकलीफ हो सकती है। परिवार के बच्चों की खुशी से मन प्रसन्न रहेगा। आय के नए स्रोतों पर विचार कर सकते हैं।

## इंदौर का स्वच्छता मॉडल जीवनशैली में बदलाव का अभियान

हर्षवर्धन पाण्डेय (हि.स)

मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब अपने नाम किया है। इंदौर ने 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की सुपर स्वच्छ लीग सिटीज कैटेगरी में ओवरऑल पहला स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि न केवल इंदौरवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह शहर की स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता, नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और नगर निगम के बेहतरीन नवाचारों का परिणाम है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत आयोजित इस सर्वेक्षण में इंदौर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक संस्कृति है।

इंदौर पूर्व में सात बार देश के स्वच्छतम शहर का पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छ लीग पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो गर्व का विषय है। इसी प्रकार 20 हजार से कम आबादी वाले नगरों की श्रेणी में बुधनी नगर को भी सम्मानित किया गया। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में मध्य प्रदेश के अन्य शहरों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इंदौर के साथ भोपाल, देवास, शाहगंज, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन एवं बुधनी को भी विभिन्न श्रेणियों में स्वच्छता पुरस्कार मिला है।

बाबा महाकाल की उज्जैन नगरी को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में शीर्ष स्थान मिला है। 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में बुधनी सर्वश्रेष्ठ शहर बन कर उभरा है जबकि 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में भोपाल दूसरे, जबलपुर पांचवें और ग्वालियर 14वें स्थान पर रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में स्वच्छता में प्रॉमिसिंग शहर का स्टेट अवार्ड ग्वालियर को मिला है। इसी तरह से 50 हजार से तीन लाख जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में देवास प्रथम स्थान पर रहा। मध्य प्रदेश ने कुल आठ राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए जिससे राज्य ने स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वच्छ भारत मिशन की प्रेरणा और जनभागीदारी इस सफलता का आधार रहा। इंदौर की स्वच्छता की सफलता का श्रेय शहर के कचरा प्रबंधन, जन जागरूकता और नवाचारों को जाता है।

इंदौर के स्वच्छता मॉडल ने शहर को कचरा-मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इंदौर में खुले में कचरा फेंकना पूर्णतः प्रतिबंधित है। शहर में कचरा डंपिंग को शून्य करने के लिए सभी कचरे की प्रोसेसिंग की जाती है। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है, जबकि सूखे कचरे को रिसाइकिल कर अनेक उत्पाद बनाए जाते हैं।

इंदौर की सफलता का सबसे बड़ा आधार जनभागीदारी भी है। स्वच्छता के प्रति नागरिकों का जुनून और सामूहिक प्रयास इस मॉडल को अनूठा बनाते हैं। नगर निगम ने विभिन्न जागरुकता अभियानों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया है। इंदौर ने कचरा प्रबंधन के लिए हाई-टेक सिस्टम विकसित किया है। कचरा संग्रहण वाहनों की हर गतिविधि को जीपीएस के माध्यम से ट्रैक किया जाता है। एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियंत्रण कक्ष से हर सेकंड की गतिविधि की निगरानी की जाती है।

इंदौर में एशिया का सबसे बड़ा बायो-मीथेन गैस प्लांट स्थापित किया गया है जो गीले कचरे से बायो-गैस और खाद उत्पादन करता है। इसके अतिरिक्त, भारत का पहला पीपीपी मॉडल आधारित हरित कचरा प्रसंस्करण संयंत्र भी इंदौर में स्थापित है जो लकड़ी और पत्तियों से पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद बनाता है। एक दौर ऐसा भी था जब इंदौर की सड़कों पर कचरा देखा जाता था लेकिन आज यह शहर कचरे से सीएनजी और खाद बनाने में अग्रणी है। इंदौर नगर निगम ने कचरे के शत-प्रतिशत पृथक्करण और रीसाइक्लिंग को सुनिश्चित किया है। नगर निगम ने स्वच्छता के लिए कई नवाचार किए हैं। प्रत्येक घर से कचरा एकत्र करने के लिए उसने अनेक वाहन तैनात किए जिसने गीले, सूखे और खतरनाक कचरे को अलग करने की प्रक्रिया को जन-जन तक पहुंचाया।

भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में इंदौर ने न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत इंदौर ने लगातार आठ वर्षों (2017-2024) तक स्वच्छता सर्वेक्षण में पहला स्थान हासिल किया है जो अपने आप में मध्य प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। आज इंदौर का स्वच्छता मॉडल जनभागीदारी, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक दक्षता का एक अनूठा संगम बना है। यह मॉडल न केवल भारत के अन्य शहरों के लिए भी एक प्रेरणा बन चुका है।

इंदौर नगर निगम और जिला प्रशासन ने प्रतिदिन स्वच्छता को प्राथमिकता देने का काम किया है। नगर निगम ने कचरा प्रबंधन के लिए नवाचारी योजनाएं बनाई और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया, जिससे इंदौर की जनता ने स्वच्छता को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाया। इंदौर ने न केवल स्वच्छता के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, बल्कि यह अन्य शहरों के लिए भी एक प्रेरणा बन गया है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में सुपर स्वच्छता लीग में शीर्ष स्थान और लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीतना इंदौर की मेहनत, समर्पण और सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। यह शहर न केवल स्वच्छता, बल्कि नागरिकों की जागरूकता और प्रशासनिक कुशलता का प्रतीक बन चुका है।

देश की सर्वश्रेष्ठ राजधानी के रूप में भोपाल ने स्वच्छता के क्षेत्र में भी आदर्श प्रस्तुत किया है। विभिन्न श्रेणियों में ग्वालियर, देवास, शाहगंज और जबलपुर भी पुरस्कृत किए गए हैं। इंदौर का स्वच्छता मॉडल न केवल एक शहर की स्वच्छता की कहानी है बल्कि यह दशार्ता है कि सामूहिक इच्छाशक्ति, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक दृढ़ता के साथ कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

यह मॉडल न केवल स्वच्छ भारत मिशन का प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का भी एक जीवंत उदाहरण है। यह मॉडल पूरे देश के लिए एक प्रेरणा है कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक जीवनशैली हो सकती है।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# सीए मान ने मलेरकोटला ज़िले के लोगों को 13 करोड़ रुपये का तोहफा दिया

## अमरगढ़ और अहमदगढ़ सब-डिवीजनों में नवनिर्मित तहसील कॉम्प्लेक्स जनता को समर्पित

संवाददाता
मलेरकोटला

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज अमरगढ़ और अहमदगढ़ सब-डिवीजनों में नवनिर्मित तहसील कॉम्प्लेक्स जनता को समर्पित करते हुए मलेरकोटला ज़िले के लोगों को 13 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उपहार दिया।

मुख्यमंत्री ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि उनकी सरकार जनता के प्रत्येक पैसे को जनकल्याण पर खर्च करने के लिए प्रतिबद्ध है और अमरगढ़ तथा अहमदगढ़ को दिया गया यह तोहफा इसी संकल्प का हिस्सा है।

उन्होंने बताया कि अमरगढ़ में तहसील कॉम्प्लेक्स के निर्माण पर 6 करोड़ 36 लाख रुपये की लागत आई है, जबकि अहमदगढ़ में बने तहसील कॉम्प्लेक्स की इमारत पर 6 करोड़ 86 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अमरगढ़ का तहसील कॉम्प्लेक्स 27 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में बनाया गया है, जिसमें एस.डी.एम. कार्यालय, कोर्ट रूम, बड़ा हॉल, 26 केबिन और अन्य कार्यालय स्थापित किए गए हैं।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अहमदगढ़ का आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया तहसील कॉम्प्लेक्स 2.39 एकड़ क्षेत्र में तीन मंज़िलों में तैयार किया गया है। इस भवन में एस.डी.एम. कोर्ट रूम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पटवारखाना, स्टाफ रूम, पंजीकरण काउंटर एवं अन्य विभागों के कार्यालय स्थित हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए रैम्प और लिफ्ट जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं, ताकि उन्हें रोजमर्रा के प्रशासनिक कार्यों के दौरान किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि हजारों लोग प्रतिदिन इन कार्यालयों में अपने कार्यों हेतु आते हैं, ऐसे में उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन भवनों का निर्माण किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर इन इमारतों की योजना बनाई गई है, जबकि पूर्ववर्ती सरकारों ने इस प्रकार के जनोन्मुखी कार्यों की कभी परवाह नहीं की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नए कार्यालयों से स्टाफ को एक उचित वातावरण मिलेगा, जिससे वे बिना किसी बाधा के नागरिकों के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कर सकें।

# डॉ. रवजोत सिंह ने सफाई सेवकों और सीवरमैन यूनियन से की बैठक; जायज मांगों का शीघ्र समाधान करने का भरोसा दिलाया

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने सफाई सेवकों और सीवरमैन यूनियन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी जायज मांगों का शीघ्र समाधान निकालने का भरोसा दिलाया है। आज यहां म्युनिसिपल भवन में स्थानीय निकाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री तेजवीर सिंह और पंजाब राज्य सफाई आयोग के चेयरमैन श्री चंदन ग्रेवाल, विभिन्न यूनियनों के प्रधानों व पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुई इस बैठक के दौरान डॉ. रवजोत सिंह ने यूनियन प्रतिनिधियों की विभिन्न मांगों को विस्तार से सुनने के बाद आश्वासन दिया कि उनकी जायज मांगों का जल्द ही सार्थक समाधान किया जाएगा।

डॉ. रवजोत सिंह ने जोर देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार सफाई सेवकों और सीवरमैनों समेत समाज के सभी वर्गों की भलाई के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सफाई सेवकों और सीवरमैनों की जिन मांगों का संबंध विभिन्न विभागों से है, उन्हें संबंधित विभागों को भेजकर एक संयुक्त बैठक की जाए ताकि इन मांगों का प्रभावी समाधान किया जा सके। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार सफाई सेवकों और सीवरमैनों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। विभिन्न प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान मंत्री ने सफाई सेवकों और सीवरमैनों की प्रशंसा करते हुए उन्हें विभाग की रीढ़ की हड्डी बताया। उन्होंने राज्य सरकार के पंजाब के शहरों को कूड़ा-मुक्त बनाने के संकल्प को दोहराया और इस लक्ष्य की प्राप्ति में सफाई सेवकों और सीवरमैनों के योगदान की भरपूर सराहना की।

स्थानीय निकाय मंत्री ने कहा कि कमेटी, निगम या विभागीय स्तर पर हल किए जा सकने वाले सभी जायज मुद्दों को शीघ्र सुलझाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिन मांगों का संबंध राज्य सरकार या अन्य विभागों से है, उनके समाधान के लिए भी आवश्यक कार्यवाही जल्द अमल में लाई जाएगी।

# पाकिस्तान ने अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्रों में की घुसपैठ, बीएसएफ ने पकड़े छह ड्रोन

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

बीएसएफ ने पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र अमृतसर में पाकिस्तान की ड्रोन घुसपैठ को निष्क्रिय करते हुए छह पाकिस्तानी ड्रोन पकड़े हैं। इसके साथ ही सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च के दौरान हेरोइन भी बरामद की गई है। बीएसएफ ने इस साल के दौरान यह सबसे बड़ी बरामदगी की है।

बीएसएफ प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि पाकिस्तान की तरफ से अमृतसर स्थित सीमावर्ती क्षेत्रों में गुरुवार की रात ड्रोन घुसपैठ की गई। पाकिस्तान की तरफ से कई ड्रोन भारतीय सीमा में भेजे गए। जवानों ने गश्त के दौरान एंटी ड्रोन सिस्टम की मदद से पाकिस्तान की तरफ से आने वाले प्रत्येक नार्को ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया। इस ऑपरेशन के बाद बीएसएफ ने गांव पुलमोरां के पास खेतों से 1.744 किलोग्राम संदिग्ध हेरोइन के 3 पैकेटों के साथ 4 डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन बरामद किए। ड्रोन से मादक पदार्थों के पैकेट जुड़े हुए पाए गए, जिससे साफ हो गया कि पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन के माध्यम से हेरोइन भारतीय सीमा में भेजी गई थी।

बीएसएफ ने रात के समय रोरांवाला खुर्द गांव के पास इसी तरह के एक अभियान में एक डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन के साथ 1 पैकेट हेरोइन (कुल वजन 596 ग्राम) बरामद की, जो ड्रोन-रोधी उपाय में तकनीकी व्यवधान के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस बीच शुक्रवार अल सुबह गांव धनोई कलां के आसपास तकनीकी अवरोध के सक्रिय होने पर एक और डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन को मार गिराया गया। पिछले कुछ घंटों के दौरान बीएसएफ के अभियानों में 6 डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन और 2.340 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

# पंजाब के राज्यपाल ने केंद्रीय मंत्रियों मनोहर लाल, अश्विनी वैष्णव, गजेंद्र सिंह शेखावत और भूपेंद्र यादव से मुलाकात की

संवाददाता
नई दिल्ली/चंडीगढ़

पंजाब के माननीय राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों श्री मनोहर लाल खट्टर (आवास और शहरी मामलों के मंत्री), श्री अश्विनी वैष्णव (रेल मंत्री), श्री गजेंद्र सिंह शेखावत (पर्यटन मंत्री) और श्री भूपेंद्र यादव (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री) से मुलाकात की और चंडीगढ़ और पंजाब से संबंधित महत्वपूर्ण विकासात्मक मुद्दों, विशेष रूप से सार्वजनिक परिवहन, पर्यटन अवसंरचना और पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्रों पर चर्चा की। श्री मनोहर लाल खट्टर के साथ अपनी बैठक में, राज्यपाल ने प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत चंडीगढ़ के लिए 328 इलेक्ट्रिक बसों की मंजूरी से संबंधित लंबित मामले को उठाया। उन्होंने सीटीयू और सीसीबीएसएस के पुराने बेड़े को बदलने के लिए जीसीसी मॉडल पर इन बसों को शीघ्र मंजूरी देने का आग्रह किया। इनमें से अधिकांश बसें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा अधिसूचित डीजल वाहनों की 15 वर्ष की सीमा के अनुरूप 2025-2027 के बीच अपना परिचालन जीवन पूरा करेंगी। राज्यपाल ने अक्टूबर 2023 में पहले से स्वीकृत 100 इलेक्ट्रिक बसों के लिए लेटर ऑफ अवार्ड शीघ्र जारी करने का भी अनुरोध किया और सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए नवंबर 2025 से पहले इनकी आपूर्ति की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि मंत्रालय के हरित गतिशीलता प्रयासों के समर्थन में पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधाओं (आरवीएसएफ) के माध्यम से आवश्यक वाहन स्क्रैपिंग प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएँगे। राजधानी में अपने कार्यक्रमों के तहत, राज्यपाल ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव से भी शिष्टाचार भेंट की। जलवायु-सचेत शासन पर बढ़ते जोर के मद्देनजर, चंडीगढ़ और पंजाब से संबंधित पर्यावरणीय प्राथमिकताओं और सतत विकास के मुद्दों पर चर्चा हुई। माननीय राज्यपाल ने श्री अश्विनी वैष्णव के पिता के हाल ही में हुए निधन पर अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की।सभी केंद्रीय मंत्रियों ने राज्यपाल की चिंताओं को सकारात्मक रूप से स्वीकार किया और व्यापक जनहित में समय पर और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

# बागबानी विभाग द्वारा करवाये गये राज्य स्तरीय नाशपाती मुकाबले में अमृतसर के किसानों ने मारी बाजी

संवाददाता
चंडीगढ़ / अमृतसर

बागबानी विभाग द्वारा जिला अमृतसर में महाराजा फार्म में दो दिवसीय राज्य स्तरीय नाशपाती का शो और सैमीनार लगाया गया, जिसमें रक्षा सेवा कल्याण, स्वतंत्रता संग्रामी और बागबानी मंत्री श्री मोहिंद्र भगत मुख्य मेहमान के तौर पर शामिल हुए और इस शो का उद्घाटन किया।

इस मौके पर बागबानी मंत्री श्री मोहिंद्र भगत ने किसानों को संबोधन करते हुये कहा कि पंजाब सरकार राज्य के बागबानी क्षेत्र का विकास करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आज का यह नाशपती मुकाबला भी इन प्रयासों का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि ऐसे मुकाबले, प्रदर्शिनियां, सैमीनार जहाँ किसानों की जानकारी बढ़ाते हैं, वहीं उनके व्यापारिक सम्बन्ध भी बनते हैं जोकि किसानों की आय बढ़ाने में अच्छा योगदान डालते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार इस बार किसानों के खेतों तक नहरी पानी पहुँचाने में कामयाब रही है और इससे राज्य के बागबानी क्षेत्र को काफी प्रोत्साहन मिला है। इस मौके पर बागबानों द्वारा उनको पेश आ रही मुश्किलों को बागबानी मंत्री और डायरैक्टर बागबानी के संज्ञान में लाया गया जिसका उनकी तरफ से जल्द निपटारा करने का भरोसा दिया गया।

इसके इलावा डिप्टी डायरैक्टर बागबानी, अमृतसर श्री तजिन्दर सिंह संधू द्वारा समागम सम्बन्धी बताया गया कि राज्य के विभिन्न जिलों से बागबानों द्वारा बढ़िया मानक और उच्च गुणवत्ता के नाशपाती फल और फलों से तैयार फल पदार्थों की 714 रखी ऐंट्रियों का मुकाबला करवाया गया और विजेताओं को पहले और दूसरे दर्जे के इनाम मुख्य मेहमान द्वारा दिए गए।

# अधिकारियों को जुवेनाईल जस्टिस और पोक्सो एक्टों के बारे जागरूक करने के लिए करवाया प्रशिक्षण प्रोग्राम

संवाददाता
चंडीगढ़

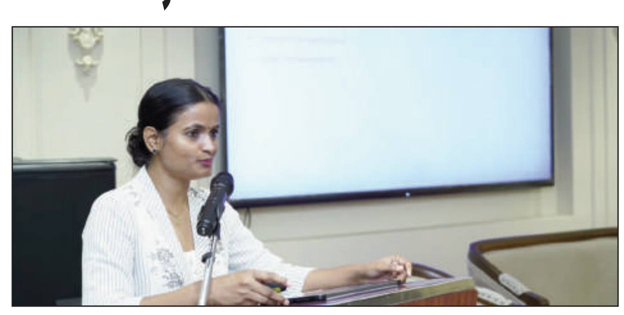

बाल सुरक्षा कानूनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसके प्रभावशाली ढंग से कार्यान्वयन के लिए पंजाब पुलिस के कम्युनिटी अफेअरज डिवीजन (सीएडी) ने बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) के सहयोग से आज यहाँ जुवेनाईल जस्टिस ( जेजे) एक्ट, 2015 और यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा (पोक्सो) एक्ट, 2012 पर दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रोग्राम करवाया। समापन सत्र की अध्यक्षता स्पेशल डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) सीएडी गुरप्रीत कौर दिओ ने की, जिन्होंने कानूनी कार्यवाही का सामना कर रहे बच्चों समेत सभी बच्चों की सुरक्षा में इन एक्टों की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को जुवेनाईल जस्टिस बोर्ड (जेजेबी), बाल कल्याण समिति ( सीडब्लयूसी) और जिला बाल सुरक्षा अधिकारियों (डीसीपीओ) सहित कानूनी संस्थाओं, जिनकी भूमिकाएँ जेजे एक्ट के अधीन महत्वपूर्ण हैं, के साथ नजदीकी तालमेल के जरिये काम करने की अपील की।

इस प्रोग्राम में 65 से अधिक अधिकारियों, जिनमें डिप्टी ऐसपीज, ऐसऐचओज, महिला हैल्पडैस्क इंचार्ज, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (सीडब्लयूपीओ) और एसएएस नगर, फतेहगढ़ साहिब और रूपनगर के सीडब्लयूसी चेयरपर्सन शामिल हैं, ने हिस्सा लिया। दूसरा दिन विशेष तौर पर अधिकारियों को पोक्सो एक्ट, 2012 के बारे जागरूक करने पर केंद्रित रहा, जिसमें बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए कानूनी प्रबंधों को उजागर किया गया।

विशेष डीजीपी गुरप्रीत कौर दिओ ने प्रशिक्षण हिस्सेदार के तौर पर बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) के योगदान की सराहना की और दोनों एक्टों के बारे अनमोल जानकारी प्रदान करने के लिए उनका धन्यवाद किया।

## संक्षिप्त-समाचार

### संयुक्त किसान मोर्चा ने पंजाब सरकार के विरूद्ध खोला मोर्चा

**चंडीगढ़।** पंजाब के किसान संगठनों ने संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले शुक्रवार को एक बार फिर से संघर्ष का ऐलान किया है। किसान आगामी 30 जुलाई को पंजाब में ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे और राज्य सरकार से लैंड पूलिंग पॉलिसी और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट समेत चार मुद्दों को वापस लेने की मांग करेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा ने लैंड पूलिंग पॉलिसी, पानी के समझौते और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट समेत चार मुद्दों को लेकर शुक्रवार को चंडीगढ़ के किसान भवन में सर्वदलीय बैठक (ऑल पार्टी मीटिंग) बुलाई। बैठक में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को छोडकर राज्य की 10 राजनीतिक पार्टियों के नेता पहुंचे। बैठक के बाद किसानों ने लैंड पूलिंग और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ने का ऐलान किया है। किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि किसान लैंड पूलिंग पॉलिसी की वापसी तक लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हमने आम आदमी पार्टी के नेताओं को मीटिंग के लिए बुलाया था। प्रधान अमन अरोड़ा के घर कार्ड देकर आए थे। लेकिन वो नहीं आए। शायद वो लोगों का सामना नहीं करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने इस बैठक से गैर हाजिर होना उचित समझा है। किसानों ने कहा पॉलिसी में कुछ भी साफ नहीं है। उसमें लिखा है कि जिन किसानों की जमीन अधिग्रहण होगी, उनसे आगे विकास के लिए किसानों से शुल्क वसूले जाएंगे। इसके अलावा भी कई अन्य शर्तें हैं, जिससे किसान अपनी जमीन सरकार को देकर खुद ही लूट का शिकार होगा। कोई चीज सरकार साफ नहीं कर रही है। संयुक्त किसान मोर्चा ने पंजाब सरकार से लैंड पूलिंग पॉलिसी रद्द करने, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट में खेती और इससे संबंधित धंधों को बाहर रखने और नई कृषि नीति को लागू करने की मांग की। किसान नेता बूटा सिंह बुर्जगिल का कहना है कि यह नीति पंजाब सरकार की नहीं, बल्कि अरविंद केजरीवाल की है। उन्होंने बताया कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

### पंजाब सरकार ने भीख मांगते 41 बच्चों को किया रेस्क्यू, अब होगा डीएनए टेस्ट

**चंडीगढ़।** पंजाब सरकार ने भिखारी उन्मूलन अभियान के दौरान प्रदेश में 18 स्थानों पर छापा मारकर 41 बच्चों का रेस्क्यू किया है। अब इन बच्चों का डीएनए टेस्ट करवाया जाएगा। इसके तहत सरकार ने जीवनजोत प्रोजेक्ट-2 की शुरूआत की है। पंजाब की सामाजिक सुरक्षा मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने शुक्रवार को बताया कि बठिंडा में पकड़े गए कुछ बच्चों का मामला संदिग्ध लग रहा है। ऐसे में अब उन बच्चों का डीएनए टेस्ट करवाया जाएगा, जिससे यह पता चल सके कि वे अपने असली मां-बाप के साथ थे या नहीं। जब तक रिपोर्ट नहीं आती, तब तक ये बच्चे बाल सुधार गृह में ही रहेंगे। बलजीत कौर ने कहा है कि अगर कोई माता-पिता अपने बच्चों से जबरन भीख मंगवाते हैं, तो पहले उन्हें समझाया जाएगा। अगर वे नहीं माने, तो उन्हें अनफिट गार्जियन घोषित कर दिया जाएगा।

इसके बाद उनके बच्चों को गोद देने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। मंत्री ने बताया कि पिछले 9 महीनों में सरकार ने 350 बच्चों को भीख मांगते हुए रेस्क्यू किया था। उन्हें स्कूलों व अन्य संस्थानों से जोड़ा गया, लेकिन इनमें से 57 बच्चों का अब तक कोई सुराग नहीं लगा है और उनकी जांच भी जारी है। बलजीत कौर ने बताया कि सितंबर, 2024 में सरकार की तरफ से जीवन जोत प्रोजेक्ट लॉन्च किया गया था। इसका मकसद सड़कों पर बच्चों को भीख मांगने से रोकना, उनका बचपन बचाना, उन्हें स्कूल से जोड़ना और इलाज करवाना था। नौ महीने में 367 बच्चों को रेस्क्यू किया गया। इस दौरान कुल 753 छापे मारे गए हैं। इन बच्चों में से 350 बच्चों को उनके परिवारों के पास वापस कर दिया गया। इनमें से 150 बच्चे दूसरे राज्यों से थे। 17 बच्चे ऐसे थे जिनकी परिजनों की पहचान नहीं हो पाई, उन्हें चिल्ड्रेन होम में रखा गया। 183 बच्चों को भीख मांगने से हटाकर स्कूलों से जोड़ा गया। इनमें 6 साल से कम उम्र के 13 बच्चे थे, जिन्हें आंगनवाड़ी सेंटर में भेजा गया।

## वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आबकारी एवं कराधान विभाग के प्रदर्शन की समीक्षा की, सुधार के निर्देश दिए

# वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही: पटियाला डिवीजन जीएसटी वृद्धि में अग्रणी, लुधियाना डिवीजन राजस्व प्राप्ति में शीर्ष पर

संवाददाता
चंडीगढ़

वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान, पटियाला जीएसटी डिवीजन ने जीएसटी राजस्व प्राप्ति में 40 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करते हुए पंजाब के अन्य सभी डिवीजनों से अग्रणी रही है। यह खुलासा वित्त, योजना, आबकारी एवं कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में हुई आबकारी एवं कराधान विभाग की तिमाही समीक्षा बैठक के दौरान किया गया। पटियाला डिवीजन के बाद, रोपड़ डिवीजन की विकास दर 34.97 प्रतिशत और अमृतसर डिवीजन की 30.26 प्रतिशत रही। विभाग ने अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी ढंग से नकेल कसते हुए अपने आबकारी राजस्व लक्ष्यों को भी सफलतापूर्वक पूरा किया है।

जहाँ पटियाला डिवीजन ने विकास दर में अग्रणी भूमिका निभाई, वहीं लुधियाना डिवीजन ने राज्य भर में सबसे अधिक कुल जीएसटी राजस्व दर्ज किया, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 की इसी अवधि की तुलना में 23.89 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज करते हुए 1998.76 करोड़ रुपये रहा। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में रोपड़ डिवीजन ने 1315.66 करोड़ रुपये, अमृतसर डिवीजन ने 687.19 करोड़ रुपये और पटियाला डिवीजन ने 679 करोड़ रुपये जीएसटी राजस्व के रूप में प्राप्त किए। ये आंकड़े पिछले वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही से काफी वृद्धि दर्शाते हैं, जहाँ लुधियाना डिवीजन ने 1613 करोड़ रुपये, रोपड़ डिवीजन ने 975.53 करोड़ रुपये, अमृतसर डिवीजन ने 527.54 करोड़ रुपये और पटियाला डिवीजन ने 484.98 करोड़ रुपये जीएसटी राजस्व के रूप में प्राप्त किए थे।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले डिवीजनों में तैनात विभाग की टीमों के समर्पण और अथक प्रयासों की सराहना की और अन्य डिवीजनों को उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इन डिवीजनों के प्रभारियों, डिप्टी कमिश्नर स्टेट टैक्स, के साथ विस्तृत चर्चा की और उन क्षेत्रों का पता लगाया जहाँ उन्होंने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं, साथ ही उन पहलुओं की पहचान की जिनमें और सुधार की आवश्यकता है।

बैठक के दौरान, वित्त मंत्री ने जीएसटी और वैट बकाया की स्थिति की भी समीक्षा की और विभाग के अधिकारियों को इसकी वसूली के लिए नवीन रणनीतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने चल रही जीएसटी जांच की प्रगति का भी मूल्यांकन किया, जिसमें पहली तिमाही के दौरान की गई जांचों की गिनती और निपटाए गए केस शामिल थे। उन्होंने विभाग को सभी लंबित मामलों के समय पर निपटाने के निर्देश जारी किए।

इस अवसर पर, आबकारी और कराधान दोनों विभागों के प्रवर्तन विंगों के प्रदर्शन की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

# अमेरिकी सोलर कंपनियों ने भारत, इंडोनेशिया और लाओस से होने वाले आयात पर टैरिफ की मांग की

## सस्ते दामों पर उत्पादों की बिक्री कर अमेरिकी बाजार को नुकसान पहुंचाने का लगाया आरोप

- भारत की कुछ कंपनियां भी अमेरिकी बाजार में कम कीमत पर पैनल बेच रही

एजेंसी (हि.स.)

वाशिंगटन

अमेरिका की सौर पैनल निर्माता कंपनियों के एक समूह ने भारत, इंडोनेशिया और लाओस से हो रहे सौर पैनलों के आयात पर टैरिफ (शुल्क) लगाने की मांग की है। इन देशों पर सस्ते दामों पर उत्पादों की बिक्री (डंपिंग) कर अमेरिकी बाजार को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। यह याचिका बीरवार को अमेरिकी वाणिज्य विभाग के समक्ष दायर की गई।

इस मांग का नेतृत्व 'अलायंस फॉर अमेरिकन सोलर मैन्युफैक्चरिंग एंड ट्रेड'नामक समूह कर रहा है, जिसमें फर्स्ट सोलर, दक्षिण कोरियाई कंपनी क्यू-सेल, और निजी कंपनियां टैलोन पीवी और मिशन सोलर शामिल हैं।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इन देशों की कंपनियों को उनकी सरकारों से अनुचित सब्सिडी मिल रही है और वे अमेरिका में लागत से कम कीमत पर उत्पाद बेच रही हैं, जिससे अमेरिकी निर्माण क्षेत्र को गहरा नुकसान हो रहा है।

याचिका में कहा गया है कि चीनी कंपनियों ने पहले जिन दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों (मलेशिया, वियतनाम, थाईलैंड, कंबोडिया) में उत्पादन किया था, उन पर पहले ही अमेरिका ने टैरिफ लगाया है। अब वे कंपनियां अपना उत्पादन इंडोनेशिया और लाओस में स्थानांतरित कर रही हैं। साथ ही भारत की कुछ कंपनियां भी अमेरिकी बाजार में कम कीमत पर पैनल बेच रही हैं।

याचिका के मुताबिक, भारत, इंडोनेशिया और लाओस से अमेरिका में सोलर पैनल का आयात वर्ष 2022 में 289 मिलियन डॉलर था, जो 2023 में बढ़कर 1.6 बिलियन डॉलर हो गया, यानी करीब 450 फीसदी की वृद्धि।

### अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नसों की बीमारी, पैरों में आने लगी सूजन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप को उम्रजनित शारीरिक दिक्कतें शुरू हो गई हैं। 79 वर्षीय ट्रंप को नसों की बीमारी हो गई है। इससे उनके पैरों में सूजन आने लगी है। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि ट्रंप के पैरों के निचले हिस्से में सूजन और दाहिने हाथ में चोट के निशान हैं। द वाशिंगटन पोस्ट की खबर के अनुसार, व्हाइट हाउस ने आधिकारिक विज्ञप्ति में चिकित्सक के हवाले से कहा कि ट्रंप के शरीर में क्रोनिक शिरापरक की अपर्याप्तता है। यह ऐसी स्थिति होती है जिससे जिसमें पैरों को हृदय तक रक्त पहुंचाने में परेशानी होती है। उल्लेखनीय है कि चिकित्सा विज्ञान में साफ किया गया है कि क्रोनिक शिरापरक अपर्याप्तता पीड़ित व्यक्ति के पैरों की नसें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। इस वजह से रक्त को हृदय तक वापस ले जाने में मुश्किल होती है। इससे पैरों में रक्त जमा हो जाता है। पैरों में रक्त जमा हो जाने से सूजन, दर्द, और त्वचा में परिवर्तन आ जाता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट गुरुवार दोपहर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह बीमारी आमतौर पर 70 वर्ष से अधिक उम्र के बाद होती है।

### ट्रंप 'कथित अश्लील पत्र' छापने पर द वाल स्ट्रीट जर्नल, न्यूजकॉर्प और रूपर्ट मर्डोक पर भड़के, मुकदमा करेंगे

अमेरिका के प्रमुख अखबार द वाल स्ट्रीट जर्नल, न्यूजकॉर्प और रूपर्ट मर्डोक पर राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप जल्द ही मुकदमा दायर करने वाले हैं। वह जेफरी एपस्टीन को 'कभी लिखे गए उनके कथित अश्लील पत्र' के छपने से आहत और गुस्से में हैं। ट्रंप पहले ही इस पत्र को फर्जी बता चुके हैं। द वाल स्ट्रीट जनरल में इस आशय की रिपोर्ट छपने के बाद ट्रंप ने अपने सोशल ट्रुथ पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए बयान जारी किया है। द वाल स्ट्रीट जनरल ने अपनी विशेष रिपोर्ट में कहा है कि ट्रंप ने एपस्टीन को एक कथित पत्र भेजा था। इस पत्र की भाषा अश्लील थी। बताया गया है कि द वाल स्ट्रीट जर्नल और रूपर्ट मर्डोक को राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने सीधे चेतावनी दी थी कि अगर एपस्टीन को लिखा गया उनका कथित फर्जी पत्र छापा जाता है तो वह मुकदमा दायर करेंगे। अमेरिकी मीडिया विशेषज्ञों का कहना है कि मर्डोक ने ट्रंप को आश्वासन दिया था कि वह इसका ध्यान रखेंगे, लेकिन उनके पास ऐसा करने का अधिकार नहीं था। इसके अलावा ट्रंप की तरफ से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने द वाल स्ट्रीट जर्नल की संपादक एम्मा टकर को बताया था कि पत्र फर्जी है। लेविट का कहना है कि एम्मा टकर कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थीं। वह सिर्फ झूठी, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक कहानी पर अडिग थीं।

# प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान को आगे बढ़ाएं बच्चे : मुख्यमंत्री

- कहा, दिल्ली को हरा-भरा करना ही सरकार का ध्येय

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि बच्चे पर्यावरण संरक्षण के लिए दिल्ली में एक पेड़ लगाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान को आगे बढ़ाएं।

मुख्यमंत्री ने यह बात शुक्रवार को पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति देवेंद्र उपाध्याय और राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव के साथ राष्ट्रपति एस्टेट स्थित विलिंगडन क्रेसेंट परिसर में वन महोत्सव में पौधारोपण करते हुए कही मुख्यमंत्री ने कहा आज दिल्ली को हरित और पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी मुख्य हस्तियां यहां एकत्रित हुई हैं। दिल्ली को हरा-भरा करना ही सरकार का ध्येय है। जैसे मां हमें निःस्वार्थ प्रेम, सुरक्षा और ऊर्जा देती है वैसे ही एक वृक्ष भी हमें जीवनदायिनी आक्सीजन, शीतल छाया और हरियाली देता है। इस मौके पर मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने अस्पताल निर्माण और सीसीटीवी परियोजना से जुड़े 6,000 करोड़ रुपये के घोटाले में आम आदमी पार्टी (आआपा) नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मामला दर्ज करने पर हमला किया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आआपा सरकार ने दिल्ली को खूब लूटा। दिल्ली के स्कूलों में क्लासरूम निर्माण के नाम आआपा सरकार ने खूब घोटाला किया, जिन क्लासरूमों का निर्माण 800 रुपये फुट होना था। उसके लिए 8500 रुपये दिए गए। दिल्ली महोत्सव के आयोजन के नाम 30 करोड़ रुपये कहां चले गए। उसका पता ही नहीं है। बिजली से लेकर आबकारी घोटाले तक की जांच ईडी कर रही है। सिरसा ने कहा कि आआपा संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपनी छवि ईमानदार बनाने के लिए दिल्ली के लोगों का बेतहाशा पैसा विज्ञापनों पर खर्च किया। ईमानदार छवि बनाने के लिए दिल्ली को दोनों हाथों से लूटने का काम किया। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बाद अरविंद केजरीवाल सबसे लंबे समय तक जेल में रहने वाले मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने पिछले 10 सालों में इतने घोटाले किए हैं कि अगर हम हर मामले की सुनवाई एक दिन में भी करें, तो भी अगले 10 साल कम पड़ेंगे।

# राजस्थान के जोधपुर मंडल के मेड़ता रोड-फुलेरा रेलखंड के मध्य मालगाड़ी बेपटरी

- उत्तर-पश्चिम रेलवे ने इस रूट से गुजरने वाली सात ट्रेनों के मार्ग में किया परिवर्तन

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

नागौर

राजस्थान के नागौर जिले में जोधपुर मंडल के मेड़ता रोड-फुलेरा रेलखंड के मध्य गच्छीपुरा स्टेशन पर शुक्रवार सुबह करीब 10:15 बजे एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई। जोधपुर से जयपुर जा रही इस ट्रेन के डीजल लोको के पहिए और सात वैगन पटरी से उतर गए। हालांकि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

मालगाड़ी के डिरेल होने से जयपुर-जोधपुर इलेक्ट्रिक रेल मार्ग पर ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। उत्तर-पश्चिम रेलवे ने इस रूट से गुजरने वाली सात ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया है। उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि हादसे का कारण पता लगाया जा रहा है। राहत और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। मेड़ता रोड और जोधपुर जंक्शन से दो एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेनें मौके पर भेजी गईं हैं। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अनुराग त्रिपाठी भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और मौका मुआयना कर रहे हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे जोधपुर मंडल के जनसंपर्क अधिकारी पुरुषोत्तम परवल ने बताया कि हादसे के वक्त कोई डिब्बा पलटा नहीं, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। वैगनों को वापस ट्रैक पर लाने की प्रक्रिया जारी है।

मालगाड़ी के पटरी से उतरने के कारण कई रेलसेवाओं के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सात प्रमुख रेलगाड़ियों को वैकल्पिक मार्गों से चलाया जा रहा है।

# छत्तीसगढ़ के भिलाई में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पुत्र चैतन्य के ठिकानों पर ईडी का छापा

- आधिकरिक सूत्रों का कहना है कि कार्रवाई 2161 करोड़ रुपये के शराब घोटाले के मामले में की जा रही है

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

रायपुर

छत्तीसगढ़ के भिलाई में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज सुबह पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल और उनके पुत्र चैतन्य बघेल के ठिकानों पर छापा मारा है। सुबह 6 बजे बघेल के निवास पर ईडी के करीब 12 अधिकारी पहुंचे।

उनके साथ बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के जवान भी मौजूद हैं। आधिकरिक सूत्रों का कहना है कि कार्रवाई 2161 करोड़ रुपये के शराब घोटाले के मामले में की जा रही है। भूपेश बघेल ने एक्स पर लिखा, "ईडी आ गई। आज विधानसभा सत्र का अंतिम दिन है। अडानी के लिए तमनार में काटे जा रहे पेड़ों का मुद्दा आज उठना था। भिलाई निवास में साहेब ने ईडी भेज दी है।" कांग्रेस ने इस छापे की पुष्टि करते हुए अपने आधिकारिक ग्रुप में इसकी सूचना साझा की है। ईडी की टीम अब भी बघेल के भिलाई स्थित निवास पर मौजूद है। इसके पहले मार्च 2025 में भी भूपेश बघेल के घर पर ईडी ने छापा मारा था। तब घर के कैश जब्त करने के बाद नोट गिनने की मशीन भी मंगवाई गई थी। उल्लेखनीय है कि ईडी छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले की जांच में बड़ा खुलासा कर चुकी है। जांच में सामने आया है कि राज्य में एक संगठित शराब सिंडिकेट काम कर रहा था। इसमें अनवर ढेबर, अनिल टुटेजा और कई अन्य लोग शामिल थे। इस घोटाले से करीब 2161 करोड़ रुपये की अवैध कमाई हुई। सनद रहे इस मामले में पूर्वमंत्री कवासी लखमा जेल में हैं। ईडी के छापे की सूचना मिलते ही कांग्रेस कार्यकताओं का भिलाई-3 भूपेश बघेल के निवास पहुंचना शुरू हो गया है। चरोदा नगर निगम के सभापति कृष्णा चंद्राकर का कहना है, ₹पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हर जगह जाकर कांग्रेस का वर्चस्व बना रहे हैं।

## संक्षिप्त-समाचार

### कैलाश मानसरोवर यात्रा का पहला दल ने 19,500 फीट पर किए दर्शन, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

**देहरादून।** 19,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित कैलाश पर्वत के मानसरोवर यात्रा के पहले दल ने आज भगवान शिव के दर्शन किए। कैलाश की पहली झलक से श्रद्धालुओं की आंखों से अश्रु बह निकले और वे 'हर-हर महादेव' के उद्घोष करने लगे। इस दल में देश के 11 राज्यों से आए कुल 49 श्रद्धालु शामिल हैं। यात्रा की शुरूआत दिल्ली से हुई, जो पिथौरागढ़, गूंजी और लिपुलेख होते हुए चीन के तकलाकोट तक पहुंची। दर्शन के बाद यात्री आज भारत लौट आएंगे और अपनी यात्रा के फोटो भी साझा किए। यात्री नरेंद्र ने बताया कि यात्रा भले ही कठिन रही, लेकिन हर कदम पर भगवान शिव की ओर बढ़ना सुखद अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि डोल्मा पास की चढ़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी, कईयों को थकान और ऑक्सीजन की कमी हुई, लेकिन भक्ति और आस्था ने उन्हें हिम्मत दी। यात्री ऊं नमः शिवाय का जप करते हुए आगे बढ़ते रहे। यात्री नागपाल ने बताया कि कैलाश दर्शन के बाद मानसरोवर झील के दर्शन हुए, जहां पवित्र जल में उभरते दृश्यों ने ऐसा अहसास कराया मानो हिमालय भी शिव के समक्ष नतमस्तक हो। झील के किनारे हवन-यज्ञ, दीप प्रज्ज्वलन और भोलेनाथ का आह्वान किया गया, साथ ही देश की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की गई। प्रथम दल के लाइजनिंग ऑफिसर संजय गुज्याल ने बताया कि सभी यात्री दर्शन के बाद स्वस्थ्य हैं और भारत की ओर लौट रहे हैं। वे अपने को सौभाग्यशाली मानते हुए 'शिव-शिव' का जाप कर रहे हैं।

### स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल 'निस्तार' नौसेना में शामिल, भारत की समुद्री ताकत बढ़ेगी

**नई दिल्ली।** स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) 'निस्तार' शुक्रवार को भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में शामिल हो गया। विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में जलावतरण के बाद यह जहाज गहरे समुद्र में गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव कार्यों में सहायता के लिए पूर्वी नौसेना कमान में शामिल हो गया है। इससे न केवल समुद्र के भीतर भारत की सैन्य ताकत बढ़ेगी, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में इसकी सामरिक समुद्री स्थिति भी पहले से कहीं अधिक मजबूत होगी। कमीशनिंग समारोह रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ की अध्यक्षता में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की उपस्थिति में हुआ।

### भोजपुरी सुपरस्टार रितेश पांडे और पूर्व आईपीएस जय प्रकाश सिंह ने थामा जन सुराज का दामन

**पटना।** हिमाचल प्रदेश के पूर्व एडीजी जय प्रकाश सिंह और भोजपुरी सुपरस्टार एक्टर और सिंगर रितेश पांडे शुक्रवार को प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज में शामिल हो गए। बिहार के सारण जिले के रहने वाले पूर्व आईपीएस जय प्रकाश सिंह हिमाचल प्रदेश कैडर के आईपीएस रहे हैं। कुछ दिन पहले ही उन्होंने पद से इस्तीफा दिया था। रितेश ने इस मौके पर बिहार की राजधानी पटना में मीडिया से बातचीत में कहा कि बिहार के लोगों को आज भी मजदूरी के लिए मजबूर होना पड़ता है और इस सिस्टम को बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सिस्टम को बदलने के लिए जो प्रशांत किशोर निकले हैं, हम उनके साथ हैं।

### मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बार्सिलोना में मकार्बार्ना का किया दौरा

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को अपने स्पेन प्रवास के तीसरे दिन बार्सिलोना स्थित मकार्बार्ना का दौरा किया। यह संस्थान न केवल आयात, भंडारण और प्रसंस्करण बल्कि वितरण, नवाचार और खाद्य पुनर्प्राप्ति तक, संपूर्ण खाद्य श्रृंखला का प्रबंधन करता है। मुख्यमंत्री ने कार्यों का अवलोकन करते हुए कहा कि यह यात्रा मध्य प्रदेश में विकसित हो रहे एग्री-बेस्ड इकोसिस्टम के लिए बेहद प्रेरणादायक है। मुख्यमंत्री ने मकार्बार्ना के संचालन में अपनाए गए 'फार्म-टू-फोर्क' मॉडल, कोल्ड चेन तकनीक, पैकेजिंग मानकों और ट्रेसेबिलिटी व्यवस्थाओं को सराहा और कहा कि मध्य प्रदेश में मेगा फूड पार्क, कृषि निर्यात क्षेत्र और लॉजिस्टिक हब के विकास में ऐसे वैश्विक अनुभवों का लाभ लिया जाएगा। प्रदेश अब सिर्फ कृषि उत्पादन में नहीं, बल्कि उसके मूल्य संवर्धन, वैश्विक बाजारों तक पहुंच और नवाचार आधारित समाधान देने में भी अग्रणी बन रहा है। मकार्बार्ना द्वारा संचालित फूड बैंक, जीरो वेस्ट मैनेजमेंट और स्टार्टअप्स के लिए बनाए गए फूड-टेक इनक्यूबेशन मॉडल का निरीक्षण किया और कहा कि ये पहलें मध्य प्रदेश के नवाचार केंद्रित कृषि विजन के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के नए एग्रीबिजनेस क्लस्टर्स और ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रमों में इन सफल वैश्विक उदाहरणों का उपयोग किया जाएगा।

### संसद के मानसून सत्र से पहले कल होगी सर्वदलीय बैठक

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले यानी 20 जुलाई, रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए यह बैठक बुलाई गयी है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, संसद भवन एनेक्सी के मुख्य बैठक कक्ष में पूर्वाह्न 11 बजे से आयोजित सर्वदलीय बैठक में दोनों सदनों के फ्लोर लीडर को आंमत्रित किया है। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। बैठक में सरकार सभी दलों के समक्ष आगामी मानसून सत्र का एजेंडा रखेगी। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक प्रस्तावित है। इसमें कुल 21 बैठकें होंगी। 12 से 18 अगस्त तक कोई बैठक नहीं होगी। इसमें सात लंबित विधेयकों को विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। आठ विधेयकों को पुरःस्थापन, विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

### बिहार में 2005 से पहले कोई काम नहीं होता था : नीतीश

पटना।बिहार के पूर्वी चंपारण जिला मुख्यालय मोतिहारी में शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लालू-राबड़ी के शासनकाल की याद दिलाते हुए कहा कि पहले क्या हाल था, आप सभी जानते हैं। 2005 से पहले यहां कोई काम नहीं होता था। मुख्यमंत्री नीतीश ने आज प्रधानमंत्री की मोतिहारी जनसभा में अपने संबोधन में कहा कि जब नवम्बर 2005 में भाजपा और जदयू की सरकार बनी, तब से लेकर 20 साल से हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की तरफ से लोगों के हित में बिहार में बहुत काम किया जा रहा है।

# स्लोवेनिया ने इजराइल के दो मंत्रियों को 'अवांछित' घोषित किया, ईयू में पहली कार्रवाई

**साराजेवो।** स्लोवेनिया ने गुरुवार को इजराइल के दो कट्टरपंथी मंत्रियों राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर और वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच को ₹पर्सोना नॉन ग्राटा₹ (अवांछित व्यक्ति) घोषित किया है। ऐसा करने वाला स्लोवेनिया पहला यूरोपीय संघ देश बन गया है। यह निर्णय इजराइल पर फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा और उकसावे के आरोपों के चलते लिया गया है। स्लोवेनिया की विदेश मंत्री तान्या फायोन ने पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि आज हमारी सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। हमने दो इजराइली मंत्रियों को स्लोवेनिया में अवांछित घोषित किया है। यह यूरोपीय संघ में अपनी तरह की पहली कार्रवाई है। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि दोनों मंत्री वेस्ट बैंक में अवैध यहूदी बस्तियों के विस्तार, फिलिस्तीनियों की जबरन बेदखली और नागरिक फिलिस्तीनी आबादी के खिलाफ हिंसा के समर्थन में सार्वजनिक बयान देते रहे हैं। फायोन ने बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया क्योंकि ब्रसेल्स में मंगलवार को हुई ईयू विदेश मंत्रियों की बैठक में इजराइल के खिलाफ कोई साझा कार्रवाई तय नहीं हो सकी। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य संभावित उपायों पर भी विचार किया जा रहा है, लेकिन फिलहाल विस्तार से कुछ नहीं बताया।

# बांग्लादेश के गोपालगंज में हिंसा में मारे गए लोगों का बिना पोस्टमार्टम के अंतिम संस्कार

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रही और गोपालगंज में बुधवार को हुई हिंसा में मारे गए लोगों का बिना पोस्टमार्टम के अंतिम संस्कार कर दिया गया। सरकार ने दावा किया है कि लोग अस्पताल से चारों लोगों के शव जबरदस्ती ले गए।

ढाका ट्रिब्यून की खबर में परिजनों के हवाले से कहा गया है कि हिंसा के शिकार उनके सदस्यों का पोस्टमार्टम नहीं किया गया। इसलिए उन्होंने उनका अंतिम संस्कार कर दिया। खबर में कहा गया है कि इन लोगों की मौत पर गुरुवार रात तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। इस हिंसा की वजह अवामी लीग और उसके प्रतिबंधित छात्र लीग के नेताओं और समर्थकों की नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की रैली पर हुए कथित हमले को ठहराने की कोशिश की गई है। ढाका ट्रिब्यून ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा कि हमलावरों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। इसमें कथित तौर पर चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान रमजान काजी, सोहेल राणा, दीप्तो साहा और इमोन तालुकदार के रूप में हुई। पीड़ित परिवारों ने दावा किया कि पुलिस ने उन सभी की गोली मारकर हत्या कर दी। चारों पीड़ितों में से किसी का भी पोस्टमार्टम नहीं किया। इमोन को गुरुवार सुबह लगभग सात बजे गेतपारा स्थित नगरपालिका कब्रिस्तान में दफनाया गया। सोहेल को भी लगभग उसी समय तुंगीपारा स्थित उनके पारिवारिक कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। रमजान काजी को बुधवार रात नमाज के बाद गेतपारा में दफना दिया गया। दीप्तो का अंतिम संस्कार रात को नगर निगम के श्मशान घाट पर किया गया। इस बारे में गोपालगंज सामान्य अस्पताल के अधीक्षक डॉ. जिबितेश बिस्वास का कहना है कि चारों के शव अस्पताल लाए गए थे, लेकिन उनका पोस्टमार्टम नहीं किया गया। परिवार के सदस्यों ने दावा किया कि अस्पताल ने कोई मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी नहीं किया।

# टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किए जाने का भारत ने किया स्वागत

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

भारत ने अमेरिकी विदेश विभाग और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए तैय्यबा के संगठन द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बयान में कहा कि भारत सरकार टीआरएफ को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) के रूप में नामित करने के अमेरिकी विदेश विभाग के निर्णय का स्वागत करती है। हम इस संबंध में विदेश मंत्री मार्को रुबियो के नेतृत्व को स्वीकार करते हैं और उसकी सराहना करते हैं। बयान के अनुसार, पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैय्यबा का एक प्रॉक्सी टीआरएफ 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में नागरिकों पर जघन्य हमले सहित कई आतंकवाद संबंधी गतिविधियों में शामिल रहा है। इसके लिए उसने दो बार जिम्मेदारी भी ली है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और आतंकवादी बुनियादी ढांचे को खत्म करने में वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर लगातार जोर दिया है। टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन के रूप में नामित करना एक सामयिक और महत्वपूर्ण कदम है। यह आतंकवाद के खिलाफ भारत और अमेरिका के बीच गहरे सहयोग को दशार्ता है। ायान में कहा गया कि भारत आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति के प्रति प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित करने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा कि आतंकवादी संगठनों और उनके सहयोगियों को जवाबदेह ठहराया जाए।

# पॉप गायिका और अभिनेत्री कॉनी फ्रांसिस का 87 वर्ष की आयु में निधन

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

न्यूयॉर्क

अमेरिका की मशहूर दिग्गज पॉप गायिका और अभिनेत्री कॉनी फ्रांसिस का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। न्यू जर्सी के नेवार्क में 12 दिसंबर, 1937 को जन्मी फ्रांसिस ने एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। 1960 के दशक में वह युवाओं और किशोरों की चहेती गायिका रहीं। इस दशक में उनके गाने 'लिपस्टिक ऑन योर कॉलर' और 'हूज सॉरी नाउ?' मौजूदा पीढ़ी ने जमकर सुना।

सीएनएन न्यूज चैनल की खबर के अनुसार कॉनी फ्रांसिस के निधन की सूचना दुनिया को सबसे पहले उनके प्रचारक और मित्र रॉन रॉबर्ट्स ने दी। रॉबर्ट्स ने फेसबुक पेज पर लिखा, ₹भारी मन और अत्यंत दुख के साथ मैं आपको कल रात अपनी प्रिय मित्र कॉनी फ्रांसिस के निधन की सूचना दे रहा हूं।₹ उन्होंने कहा कि फ्रांसिस को हाल ही में दर्द की समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस महीने की शुरूआत में उन्हें कुछ कार्यक्रम रद्द भी करने पड़े थे। हाल में उनके गाने ₹प्रिटी लिटिल बेबी₹ ने टिकटॉक ट्रेंड की बदौलत युवा पीढ़ी का ध्यान आकर्षित किया था। युवावस्था में फ्रांसिस ने आर्थर गॉडफ्रे के लोकप्रिय टेलीविजन धारावाहिक ₹स्टारटाइम टैलेंट स्काउट्स₹ में प्रथम पुरस्कार जीता। एमजीएम कंपनी ने सबसे पहले फ्रांसिस का एकल गीत ₹फ्रेडी₹ रिलीज किया था। फ्रांसिस को बड़े पर्दे पर भी सफलता मिली। उन्होंने 1963 में व्हेयर द बॉयज आर, फॉलो द बॉयज, 1964 में लुकिंग फॉर लव और 1965 में व्हेन द बॉयज मीट द गर्ल्स जैसी फिल्मों में काम किया।

## इतिहास | इन बैंकों पर अधिकतर बड़े औद्योगिक घरानों का कब्जा था

# इंदिरा गांधी ने 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

देश दुनिया के इतिहास में 19 जुलाई की तारीख तमाम अहम वजह से दर्ज है। भारत के बैंकिंग इतिहास में 19 जुलाई की तारीख को महत्वपूर्ण माना जाता है। दरअसल तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 19 जुलाई 1969 को 14 निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया था। इन बैंकों पर अधिकतर बड़े औद्योगिक घरानों का कब्जा था। राष्ट्रीयकरण का दूसरा दौर 1980 में आया। इस दौरान सात और बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया।

### जन्म

1827: भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत मंगल पांडे।

1938: भारतीय भौतिकी वैज्ञानिक जयंत विष्णु नार्लीकर।

1948: मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री राधाबिनोद कोइजाम।

### निधन

1963: संविधान सभा की सदस्य एनी मसकैरिनी।

1988: महावीर चक्र से सम्मानित भारतीय सैन्य अधिकारी राजीव संधू।

2018: प्रख्यात गीतकार गोपालदास नीरज।

### महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1848: न्यूयॉर्क के सिनिका फॉल्स में पहले महिला अधिकार सम्मेलन का आयोजन। 1870: फ्रांस ने पर्शिया के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। 1900: फ्रांस की राजधानी पेरिस में पहली मेट्रो रेल चली। इससे पहले दुनिया की पहली मेट्रो सेवा लंदन में शुरू हो चुकी थी। 1940: एडोल्फ हिटलर ने ब्रिटेन को आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। 1969: भारत सरकार ने देश के 14 बड़े बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया। 1974: क्रांतिकारी उधम सिंह की अस्थियों को लंदन से नई दिल्ली लाया गया। 2001: नेपाल के प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला ने अपने पद से इस्तीफा दिया। 2003: रूस के अंतरिक्ष यात्री यूरी माले थान्को अंतरिक्ष में शादी रचाने वाले पहले व्यक्ति बने। 2004: दुनिया के सबसे बड़े दूर संचार उपग्रह को लेकर एरियन-5 फ्रेंच गुयाना के कोरू प्रक्षेपण केंद्र से रवाना। 2005: पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अमेरिकी कांग्रेस को संबोधि किया। 2008: अमेरिका ने प्रशांत महासागर में लक्ष्य निर्धारित कर लंबी दूरी तक मार कर सकने में सक्षम मिसाइल का परीक्षण किया। 2021: पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में यात्री बस की ट्रक से टक्कर में 31 लोगों की मौत। 2021: इंग्लैंड में लॉकडाउन। मास्क लगाने की अनिवार्यता और कोविड संबंधी पाबंदियों को एक साल बाद हटाया गया।

# भारतीय महिला टीम की निगाह इंग्लैंड से वनडे श्रृंखला जीतने पर

## इंग्लैंड के खिलाफ मैच आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण

एजेंसी (हि.स.)
लंदन

कई मैच विजेता खिलाड़ियों से सजी भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके श्रृंखला में अजेय बढ़त बनाने के साथ ही आगामी विश्व कप के लिए अपनी पुख्ता तैयारी को नए मुकाम पर पहुंचाने की कोशिश करेगी।

भारत ने साउथम्प्टन में पहला मैच चार विकेट से जीता था और लॉर्ड्स में जीत से वह तीन मैचों की इस श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर लेगा। इससे हाल के दिनों में इस प्रारूप में उसकी जीत का सिलसिला भी जारी रहेगा जिसमें मई में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला में मिली जीत भी शामिल है। इंग्लैंड के

फोटोः हि.स.

खिलाफ मैच आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिसकी मेजबानी भारत इस वर्ष के अंत में करेगा। कई खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के कारण विश्व कप टीम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, जो मुख्य कोच अमोल मजूमदार और कप्तान हरमनप्रीत कौर के लिए अच्छा सिरदर्द है। टीम में कुछ ऐसे स्थान हैं जिनमें टीम प्रबंधन के पास कई विकल्प हैं। टीम की गहराई और बेंच स्ट्रेंथ पहले कभी इतनी अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला में नहीं खेल रही हैं। उनकी अनुपस्थिति में टीम ने पहले मैच में थोड़ी अधिक अनुभवी अरुंधति रेड्डी की जगह क्रांति गौड़ को तरजीह दी और इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने दो विकेट लेकर अपना प्रभाव छोड़ा। प्रतीका रावल शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना की जोड़ीदार के रूप में पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरी हैं, जबकि शैफाली वर्मा भी टी20 अंतरराष्ट्रीय, महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और घरेलू क्रिकेट में अपने फॉर्म के कारण दावेदार बनी हुई हैं। हरलीन देओल भी अच्छी फॉर्म में हैं और अगर शैफाली निकट भविष्य में अंतिम एकादश में वापसी करती हैं तो रावल को तीसरे नंबर पर उतारा जा सकता है। ऐसी स्थिति में देओल को टीम में शामिल करना मुश्किल होगा, जिसके बल्लेबाजी विभाग में हरमनप्रीत, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष भी शामिल हैं।

स्पिन विभाग भी काफी मजबूत है जिसमें अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली बाएं हाथ की स्पिनर एन श्री चरणी के अलावा अनुभवी दीप्ति, स्नेहा राणा और राधा यादव भी शामिल हैं। पहले वनडे में नाबाद अर्धशतक जमा कर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली दीप्ति ने अपनी इस पारी के दौरान ऋषभ पंत की तरह एक हाथ से छक्का लगाया था। शनिवार को होने वाले मैच में उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले इंग्लैंड को टी20 श्रृंखला में हराया था और अब वनडे श्रृंखला जीतने से उसका 30 सितंबर से शुरू होने वाले वनडे विश्व कप के लिए मनोबल और बढ़ेगा।

### टीम इस प्रकार हैं

**भारतः** हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

**इंग्लैंड टीमः** नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, माइया बाउचियर, एलिस कैप्सी, केट क्रॉस, एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टन, लॉरेन फाइलर, एमी जोन्स, एम्मा लैम्ब, लिंसे स्मिथ।

*मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा।*

# फिडे महिला वर्ल्ड कप: प्री-क्वार्टरफाइनल में चारों भारतीय खिलाड़ी टाईब्रेक में पहुंचीं

- चीन की तीन खिलाड़ी क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं

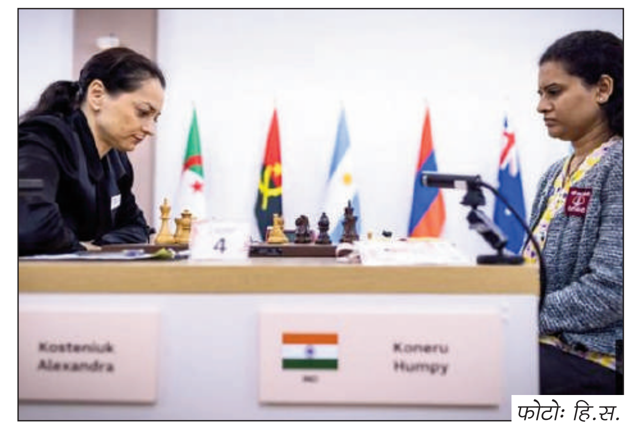

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फिडे महिला विश्व कप के प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में भारत की चारों महिला शतरंज खिलाड़ी - दिव्या देशमुख, आर. वैशाली, कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली - अपने-अपने मुकाबले टाईब्रेक में खेलने को मजबूर हो गई हैं।

दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की झू जिनर ने वीरवार को दूसरे गेम में जबरदस्त वापसी करते हुए दिव्या देशमुख को मात दी और मुकाबले को टाईब्रेक में पहुंचा दिया। दिव्या ने बुधवार को सफेद मोहरों से खेलते हुए झू के खिलाफ शानदार जीत हासिल की थी और उन्हें क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिए केवल ड्रॉ की जरूरत थी। लेकिन ब्लैक मोहरों से खेलते हुए एक अनौपचारिक स्कॉच ओपनिंग में मिडिल गेम के दौरान उनकी स्थिति बिगड़ गई और फिर एंडगेम में वापसी करना उनके लिए असंभव हो गया। वहीं, आर. वैशाली ने कजाकिस्तान की मेरुर्ट कामालिदेनोवा के खिलाफ एक और ड्रॉ खेला। उन्होंने भी ब्लैक मोहरों से खेलते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। अनुभवी कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली ने क्रमशः स्विट्जरलैंड की अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक और रूस की कैटरीना लगनो के खिलाफ सफेद मोहरों से खेलते हुए ड्रॉ किया।

इस बीच, चीन की तीन खिलाड़ी क्वार्टरफाइनल में पहुंच गईं। लेई टिंगजी ने उज्बेकिस्तान की उमिदा ओमोनोवा के खिलाफ आसानी से ड्रॉ किया, सॉन्ग यूसिन ने जॉर्जिया की लेला जावाखिशविली से भी ड्रॉ किया, जबकि तान झोंग्यी ने यूलिया ऑस्मक को हराकर दूसरे गेम में आराम से ड्रॉ कर लिया। दिन की सबसे बड़ी उलटफेर स्थानीय खिलाड़ी नाना डजागनिडजे ने की, जिन्होंने यूक्रेन की मारिया मुझचुक को हराकर उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। गौरतलब है कि इस विश्व कप के जरिए तीन खिलाड़ियों को 2026 की पहली छमाही में होने वाली फिडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में प्रवेश मिलेगा। चारों भारतीय खिलाड़ी आज शाम भारतीय समयानुसार शाम 4:35 बजे से टाईब्रेक खेलेंगी।

## यूरोपीय दौराः बेल्जियम ने भारतीय 'ए' पुरुष हॉकी टीम को 3-1 से हराया

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
एंटवर्पन (बेल्जियम)

यूरोपीय दौरे के तहत भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम को गुरुवार को बेल्जियम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एंटवर्पन के स्पोर्टसेंट्रम विलरिज्कसेप्लेन मैदान में खेला गया। भारतीय टीम की ओर से एकमात्र गोल कप्तान संजय ने किया।

बेल्जियम ने मुकाबले की तेज शुरूआत करते हुए पहले ही क्वार्टर में तीन गोल दाग दिए और भारत पर शुरूआती दबाव बना दिया। हालांकि, इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने संयम बरतते हुए बेहतर खेल दिखाया और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। अंतिम क्वार्टर में भारत की ओर से एकमात्र गोल हुआ। मैच के बाद टीम के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा, हालांकि शुरूआत थोड़ी कमजोर रही, लेकिन कुल मिलाकर प्रदर्शन अच्छा था। हमने जल्दी गोल गंवाए, लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए खेल को नियंत्रित किया। गेंद की पोजिशनिंग बेहतर थी और हमने कई मौके बनाए, अब हमें फिनिशिंग पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

उन्होंने आगे कहा, ये खिलाड़ी दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेल रहे हैं, इसलिए उन पर काफी दबाव होता है। बावजूद इसके, ये युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ खेल रहे हैं। यह दौरा इनके विकास के लिए बेहद अहम है।

## लॉर्ड्स टेस्ट में अपनी जुझारू पारी के लिए भारत के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी बने जडेजा

**लंदन।** भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की प्रशंसा करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में उनके प्रदर्शन को अविश्वसनीय जुझारूपन करार दिया जिसके लिए उन्हें टीम का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) का तमगा भी दिया गया। जडेजा 181 गेंदों पर 61 रन बनाकर नाबाद रहे लेकिन उनकी इस शानदार पारी के बावजूद भारत तीसरे टेस्ट में 22 रन से हार गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर एक वीडियो जारी किया जिसमें गंभीर ने जडेजा की जमकर तारीफ की है। गंभीर ने 'द एमवीपी फीट रवींद्र जडेजा' शीर्षक वाले वीडियो में कहा, ह्लयह अविश्वसनीय जुझारूपन था। जड्डू की जुझारू पारी वास्तव में शानदार थी। भारतीय टीम 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गई और उसके शीर्ष आठ बल्लेबाज 40 ओवर से भी कम समय तक टिक सके। लेकिन सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए जडेजा ने दृढ़ता से काम किया और पुछल्ले बल्लेबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर साहस और धैर्य का शानदार परिचय दिया। बुमराह ने 54 गेंदों का सामना करते हुए पांच रन और सिराज ने 30 गेंदों पर चार रन बनाए।

## ग्लोबल सुपर लीग : बारिश ने बुझाई उम्मीदें स्टैग्स और राइडर्स के बीच मुकाबला रद्द

एजेंसी (हि.स.)
प्रोविडेंस स्टेडियम, (गुयाना)

फोटोः हि.स.

एक्सॉनमोबिल गुयाना ग्लोबल सुपर लीग (जीएसएल) के ग्रुप स्टेज का अंतिम मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया, जिससे गत चैंपियन रंगपुर राइडर्स लगातार चौथी जीत दर्ज करने से चूक गई। प्रोविडेंस स्टेडियम में गुरुवार रात भारी बारिश के कारण राइडर्स और प्वाइंट टेबल में सबसे नीचे चल रही सेंट्रल स्टैग्स के बीच मुकाबला पहले 17 ओवर प्रति पारी तक सीमित किया गया, फिर और घटाकर 14 ओवर किया गया। लेकिन बारिश की दोबारा वापसी के कारण मैच को रद्द कर दिया गया। इस दौरान सिर्फ राइडर्स की पारी ही पूरी हो सकी।

राइडर्स की टीम मुकाबले से पहले एक अच्छी तैयारी या चुनौती की उम्मीद कर रही थी, लेकिन उन्हें स्टैग्स के गेंदबाजों से कड़ी टक्कर मिली। मुश्किल होती पिच और भीगे मैदान पर सैफ हसन और माहिदुल इस्लाम अंकों ही दोहरे अंक में पहुंच सके। पूरी टीम मात्र 13.5 ओवर में 79 रन पर सिमट गई। हालांकि, बारिश ने राइडर्स को और शर्मिंदगी से बचा लिया, क्योंकि स्टैग्स की टीम को बल्लेबाजी का मौका ही नहीं मिल पाया और मुकाबला बिना नतीजे के समाप्त हो गया। सेंट्रल स्टैग्स का निराशाजनक अभियान इस प्रदर्शन से कुछ हद तक सकारात्मक अंत तक पहुंचा, जहां उनके गेंदबाजों ने विशेषकर निचले क्रम पर कहर ढाया। एंगस शॉ, जैडन लेनॉक्स और ब्लेयर टिकनर ने तीन-तीन विकेट झटके। प्रोविडेंस की पिच पर तेज और स्पिन दोनों ही गेंदबाजी को मदद मिलती दिखी। अब सभी निगाहें शुक्रवार रात होने वाले फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमें - रंगपुर राइडर्स और घरेलू टीम गुयाना अमेजन वॉरियर्स-आमने-सामने होंगी।

## इंग्लैंड पेनल्टी शूटआउट में स्वीडन को हराकर यूरो 2025 के सेमीफाइनल में

**ज्यूरिख।** इंग्लैंड ने तीन मिनट के अंदर दो गोल करके पहले स्कोर बराबर किया और फिर पेनल्टी शूटआउट में स्वीडन को 3-2 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जब निर्धारित समय का खेल समाप्त होने में 12 मिनट का समय बचा था तब गत चैंपियन इंग्लैंड दो गोल से पीछे चल रहा था। उसने लूसी ब्रोंज (79वें) और स्थानापन्न मिशेल अग्येमांग (81वें) के गोल की मदद से स्कोर 2-2 से बराबर किया और फिर पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल करके खिताब बचाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इससे पहले कोसोवरे अस्लानी ने स्वीडन को दूसरे मिनट में ही बढ़त दिला दी थी जिसे स्टिना ब्लैकस्टेनियस ने 25वें मिनट में दोगुना कर दिया था। महिला यूरो के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी टीम ने नॉकआउट मैच में दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की है। सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना मंगलवार को इटली से होगा।

## डिओगो जोटा को वुल्व्स हॉल ऑफ फेम में किया गया शामिल

एजेंसी (हि.स.)
लंदन

फोटोः हि.स.

वुल्व्स फुटबॉल क्लब ने गुरुवार को पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी डिओगो जोटा को अपने हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने की घोषणा की। यह सम्मान उन्हें मैदान पर उनकी शानदार उपलब्धियों और उनके असामयिक निधन से फुटबॉल जगत पर पड़े गहरे प्रभाव को श्रद्धांजलि स्वरूप दिया गया है। क्लब के अनुसार, जोटा और उनके छोटे भाई आंद्रे सिल्वा - जो स्वयं भी पेशेवर फुटबॉलर थे - का 3 जुलाई को स्पेन के जमोरा में एक कार दुर्घटना में निधन हो गया था। आंद्रे की उम्र मात्र 25 वर्ष थी।

वुल्व्स की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हॉल ऑफ फेम का संचालन एक स्वतंत्र समिति करती है, जिसकी अध्यक्षता क्लब के दिग्गज खिलाड़ी जॉन रिचर्ड्स करते हैं। आमतौर पर किसी खिलाड़ी को हॉल ऑफ फेम में शामिल करने का निर्णय लंबी चर्चा के बाद लिया जाता है, लेकिन इस दुखद घटना के मद्देनजर यह निर्णय सर्वसम्मति से और त्वरित रूप से लिया गया। डिओगो जोटा ने जुलाई 2017 में एटलेटिको मैड्रिड से वुल्व्स में शामिल होकर कुल 131 मैचों में 44 गोल किए थे। उन्होंने 2017-18 सीजन में टीम को चैम्पियनशिप खिताब जिताने और प्रीमियर लीग में प्रमोशन दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। क्लब ने अपने बयान में कहा, क्लब के म्यूजियम के इस सबसे प्रतिष्ठित हिस्से में शामिल करने के लिए आमतौर पर हफ्तों या महीनों तक चर्चा होती है। लेकिन इस मामले में निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।



# ग्रेजुएट्स के लिए गोल्डन चांस! इंडियन बैंक में निकली 1500 नौकरियां, ट्रेनिंग के साथ मिलेगा वजीफा

इंडियन बैंक ने अप्रेंटिस अधिनियम, 1961 के तहत वित्तीय वर्ष 2025झ26 के लिए 1,500 अप्रेंटिस पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है।

यह प्रशिक्षुता कार्यक्रम 12 महीने की अवधि का होगा। आवेदन प्रक्रिया आज यानी, 18 जुलाई से शुरू हो रही है। उम्मीदवार 7 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी इंडियन बैंक की आधिकारिक वेबसाइट www.indianbank.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को पोस्टिंग स्थान के अनुसार मासिक वजीफा प्रदान किया जाएगा। इस भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 1500 पदों को भरा जाएगा।

### शैक्षणिक योग्यता और डिग्री की समय-सीमा

इंडियन बैंक अप्रेंटिस भर्ती 2025 के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। इसके अलावा यदि किसी उम्मीदवार के पास केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष योग्यता है, तो वह भी पात्र माना जाएगा। यह शैक्षणिक योग्यता किसी भी विषय में हो सकती है, यानी खास विषय की बाध्यता नहीं रखी गई है। एक जरूरी शर्त यह है कि उम्मीदवार ने अपनी स्नातक की डिग्री 1 अप्रैल, 2021 को या उसके बाद पूरी की हो और उसके पास उत्तीर्ण प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। यदि किसी उम्मीदवार ने उससे पहले स्नातक किया है, तो वह इस भर्ती के लिए योग्य नहीं माना जाएगा।

### परीक्षा पैटर्न

इंडियन बैंक अप्रेंटिस भर्ती 2025 के लिए होने वाली ऑनलाइन परीक्षा में कुल 100 प्रश्न होंगे, जिनके लिए अधिकतम 100 अंक निर्धारित हैं। परीक्षा में तर्क योग्यता से 15 प्रश्न (15 अंक), कंप्यूटर ज्ञान से 10 प्रश्न (10 अंक), अंग्रेजी भाषा से 25 प्रश्न (25 अंक), मात्रात्मक रूझान से 25 प्रश्न (25 अंक), और सामान्य जागरूकता (विशेष रूप से बैंकिंग उद्योग से संबंधित) से 25 प्रश्न (25 अंक) पूछे जाएंगे।

### निगेटिव मार्किंग होगी

परीक्षा में नकारात्मक अंक की व्यवस्था भी है, जिसके तहत प्रत्येक गलत उत्तर पर उस प्रश्न के लिए निर्धारित अंकों का 1/4 भाग काटा जाएगा। परीक्षा की भाषा अंग्रेजी भाषा अनुभाग को छोड़कर प्रमुख क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होगी।

### मिलेगा वजीफा

इंडियन बैंक अप्रेंटिस भर्ती 2025 में चयनित उम्मीदवारों को 12 महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी। ट्रेनिंग के दौरान बैंक की शाखा के स्थान के अनुसार वजीफा मिलेगा। शहरी और महानगरों में नियुक्त अभ्यर्थियों को हर महीने 15,000 रुपये जबकि ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में तैनात होने वाले उम्मीदवारों को 12,000 रुपये मासिक वजीफा दिया जाएगा।

### आवेदन शुल्क

इस भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करना होगा। जनरल, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के उम्मीदवारों को 800 रुपये फीस देनी होगी, जबकि एससी, एसटी और पीडब्ल्यूबीडी (दिव्यांग) वर्ग के लिए फीस केवल 175 रुपये रखी गई है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि से पहले आवेदन पूरा करें और भुगतान में कोई गलती न करें।

# राजस्थान में तृतीय श्रेणी शिक्षक के 7759 पदों पर भर्ती

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (फ्टरइ) ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती 2025 के लिए संक्षिप्त अधिसूचना जारी कर दी है। यह भर्ती REET Mains परीक्षा के माध्यम से की जाएगी, जिसमें कुल 7759 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। इन रिक्तियों में लेवल-1 (कक्षा 1 से 5) के लिए 5636 पद तथा लेवल-2 (कक्षा 6 से 8) के लिए 2123 पद निर्धारित किए गए हैं। यह भर्ती प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के अंतर्गत की जाएगी।

बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र और पंजीयन शुल्क से संबंधित विस्तृत जानकारी जल्द ही एक विस्तृत विज्ञापन के माध्यम से जारी की जाएगी।

### लेवल-1 में कुल 5636 पदों पर प्राथमिक शिक्षक भर्ती की वैकेंसी

राजस्थान तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती 2025 के अंतर्गत प्रारंभिक शिक्षा विभाग के लिए लेवल-1 में कुल 5000 पद निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा संस्कृत शिक्षा विभाग में भी नियुक्तियां की जाएंगी, जिसमें संस्कृत विषय के लिए 187 पद और सामान्य शिक्षा के लिए 449 पद आरक्षित हैं। यह सभी पद प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) के शिक्षकों की सीधी भर्ती के अंतर्गत आते हैं।

### लेवल-2 में विषयवार पदों का विवरण

संस्कृत शिक्षा विभाग के अंतर्गत लेवल-2 (कक्षा 6 से 8) के लिए विषयवार पदों का ब्योरा इस प्रकार हैः संस्कृत - 389 पद, हिंदी - 174 पद, अंग्रेजी - 221 पद, सामाजिक विज्ञान - 296 पद, और गणित एवं विज्ञान - 1043 पद। यह रिक्तियां माध्यमिक स्तर पर विषयवार शिक्षकों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जारी की गई हैं। इच्छुक अभ्यर्थी संबंधित विषयों में पात्रता पूरी कर आवेदन कर सकेंगे।

### शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा

राजस्थान तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती 2025 के लिए शैक्षणिक योग्यता पदानुसार तय की गई है। लेवल-1 (प्राथमिक शिक्षक) पद के लिए अभ्यर्थी का 12वीं पास होना, दो वर्षीय डीएलएड किया होना और रीट लेवल-1 परीक्षा पास होना अनिवार्य है। वहीं लेवल-2 (उच्च प्राथमिक शिक्षक) पद के लिए अभ्यर्थी के पास स्नातक की डिग्री, बीएड और रीट लेवल-2 परीक्षा पास होना आवश्यक है। इन दोनों स्तरों के पदों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष और अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को पे मैट्रिक्स लेवल-10 के अनुसार वेतनमान मिलेगा, जो राज्य सरकार के नियमानुसार तय होगा और अन्य भत्ते भी लागू होंगे।

### परीक्षा तिथि और परिणाम

राजस्थान तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती का चयन फ्एल मेन्स परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा, जो राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा जारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार 17 जनवरी 2026 से 21 जनवरी 2026 के बीच आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा का रिजल्ट 10 जुलाई 2026 को घोषित किया जाएगा।

## 30 जुलाई से तीन अगस्त के बीच होगी स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षा; 11,389 पदों पर होनी है नियुक्ति

बिहार तकनीकी सेवा आयोग (इळरउ) ने बीटीएससी स्टाफ नर्स भर्ती 2025 की परीक्षा तिथियां घोषित कर दी हैं। बिहार के स्वास्थ्य विभाग में 11,389 पदों को भरने के लिए इस भर्ती अभियान में बड़ी संख्या में नर्सिंग के अभ्यर्थियों ने भाग लिया है। इन अभ्यर्थियों को अब परीक्षा में शामिल होना होगा। 16 जुलाई 2025 को जारी नोटिस के अनुसार, बीटीएससी ने स्टाफ नर्स भर्ती के लिए आधिकारिक समय सारिणी प्रकाशित कर दी है। कंप्यूटर आधारित परीक्षा (उइळ) 30 जुलाई, 31 जुलाई और 1 अगस्त 2025 को प्रतिदिन दो पालियों में और 3 अगस्त 2025 को एक ही पाली में आयोजित की जाएगी। परीक्षा बिहार के कई केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। सभी

पंजीकृत उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे एडमिट कार्ड जारी से संबंधित किसी भी अपडेट के लिए btsc.bihar.gov.in. पर नजर बनाकर रखें। बिहार तकनीकी सेवा आयोग ने विभिन्न श्रेणियों में स्टाफ नर्स के 11,389 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इनमें शामिल हैं- महिलाओं के लिए 35% क्षैतिज आरक्षण। विकलांग अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित सीटें। स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के लिए कोटा। बीटीएससी स्टाफ नर्स परीक्षा की प्रभावी तैयारी के लिए उम्मीदवारों को एग्जाम पैटर्न से अच्छी तरह वाकिफ होना चाहिए। यह परीक्षा एक कंप्यूटर-आधारित परीक्षण मोड में होगी, जिसमें 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक होगा और कोई नकारात्मक अंकन नहीं होगा। परीक्षा के लिए कुल 2 घंटे का समय आवंटित किया गया है। परीक्षा को चार मुख्य खंडों में विभाजित किया गया है- सामान्य जागरूकता, विश्लेषणात्मक क्षमता, अंकगणित, नर्सिंग।

# आरओ-एआरओ भर्ती का प्रवेश पत्र जारी

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने बहुप्रतीक्षित आरओ-एआरओ भर्ती परीक्षा का प्रवेश पत्र जारी कर दिया है। जिन उम्मीदवारों ने पंजीकरण किया था, वे अब आधिकारिक वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

### ऐसे डाउनलोड करें प्रवेश पत्र

- सबसे पहले आयोग की आधिकारिक वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाएं।
- होम पेज पर Admit Card for R.O. /A.R.O. (PRELIMS) EXAMINATION - 2023 वाला लिंक ढूंढें।
- यहां इसके सामने आपको प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के लिए तीन सर्वर लिंक दिखेंगे।
- इनमें से किसी एक पर क्लिक करें।
- अब मांगी गई जानकारी दर्ज करें और प्रवेश पत्र डाउनलोड करें।

### इस दिन होगी आरओ-एआरओ परीक्षा

27 जुलाई, 2025 को होने वाली प्रारंभिक परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए गए हैं। यह परीक्षा उत्तर प्रदेश के निर्धारित केंद्रों पर सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे

तक एक ही पाली में आयोजित की जाएगी। यूपीपीएससी की अधिसूचना के अनुसार, इस परीक्षा का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी के 411 पदों को भरना है। भर्ती प्रक्रिया में चार चरण शामिल होंगेः- प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा, टाइपिंग टेस्ट, साक्षात्कार। एडमिट कार्ड में अभ्यर्थी का नाम, पंजीकरण संख्या, फोटो, हस्ताक्षर, रोल नंबर, लिंग, पिता का नाम, परीक्षा केंद्र का विवरण और परीक्षा की तिथि और समय जैसे महत्वपूर्ण विवरण शामिल हैं।

### एडमिट कार्ड में सभी विवरण ठीक प्रकार से चेक करें

परीक्षा हॉल में प्रवेश के लिए एडमिट कार्ड एक अनिवार्य दस्तावेज है और इसमें उम्मीदवार और परीक्षा से संबंधित आवश्यक विवरण शामिल होते हैं। इसमें उम्मीदवार का नाम, पंजीकरण संख्या, रोल नंबर, फोटो और हस्ताक्षर, लिंग, पिता का नाम, परीक्षा केंद्र का नाम और पता, साथ ही परीक्षा की तिथि और समय शामिल होता है। उम्मीदवारों को परीक्षा के दिन से पहले यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि एडमिट कार्ड पर दी गई सभी जानकारी सही है। किसी भी विसंगति की स्थिति में तुरंत आयोग से संपर्क करें। केवल वैध प्रवेश पत्र और पहचान पत्र वाले अभ्यर्थियों को ही परीक्षा स्थल में प्रवेश की अनुमति होगी। इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर, चयनित उम्मीदवारों को अगले चरणों (मुख्य परीक्षा, टाइपिंग टेस्ट और साक्षात्कार) में भेजा जाएगा।

# बंगाल में 35,726 शिक्षक के पदों के लिए आवेदन करने का एक और मौका

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 35,726 सहायक शिक्षक पदों के लिए अब तक 5 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए 16 जून को एक ऑनलाइन आवेदन पोर्टल शुरू किया गया था, जिसकी अंतिम तिथि को 14 जुलाई से बढ़ाकर 21 जुलाई कर दिया गया है।

पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग के अध्यक्ष सिद्धार्थ मजूमदार ने बताया, आवेदकों की संख्या पहले ही 5 लाख से ज्यादा हो चुकी है। हमें उम्मीद है कि यह संख्या और बढ़ेगी। 30 मई को, पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश का पालन करते हुए, राज्य-सहायता प्राप्त और सरकारी स्कूलों में कक्षा 9-12 में 35,726 सहायक शिक्षकों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी

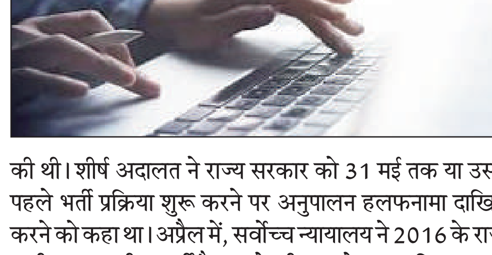

की थी। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को 31 मई तक या उससे पहले भर्ती प्रक्रिया शुरू करने पर अनुपालन हलफनामा दाखिल करने को कहा था। अप्रैल में, सर्वोच्च न्यायालय ने 2016 के राज्य स्तरीय चयन परीक्षा भर्ती पैनल को पूरी तरह से रद्द कर दिया था और कक्षा 9-12 के शिक्षकों के साथ-साथ ग्रुप उ और ग्रुप ऊ के कर्मचारियों की 25,753 नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि 2016 की एसएससी भर्ती परीक्षाओं में 3 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों ने शिक्षण नौकरियों के लिए आवेदन किया था। शीर्ष अदालत के अप्रैल के आदेश के बाद, पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग ने 17,206 शिक्षकों में से 15,403 को विशेष रूप से दागी नहीं पाए गए के रूप में पहचाना था, जिससे उन्हें दिसंबर तक वेतन मिलता रहा। शेष 1,804 शिक्षकों को स्कूलों में लौटने से रोक दिया गया है।

इस महीने की शुरूआत में, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग और राज्य सरकार की उन अपीलों को खारिज कर दिया था, जिनमें अयोग्य उम्मीदवारों को नई भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति देने की मांग की गई थी।

# कटारिया ने चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर बेहतर कनेक्टिविटी पर चर्चा के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री से की मुलाकात

संवाददाता
नई दिल्ली/चंडीगढ़,

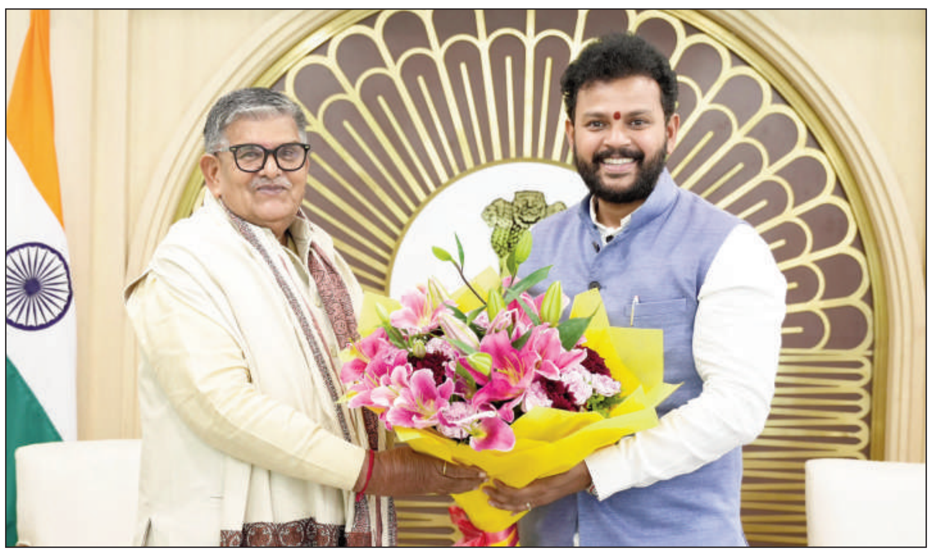

पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया ने नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, श्री किंजरापु राममोहन नायडू से मुलाकात की।

बैठक के दौरान, राज्यपाल ने पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के निवासियों की बढ़ती मांग को देखते हुए, चंडीगढ़ स्थित शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय हवाई संपर्क को मजबूत करने की आवश्यकता पर चर्चा की।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि चंडीगढ़ हवाई अड्डा पूरे उत्तरी क्षेत्र, विशेष रूप से पंजाब और आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।

श्री कटारिया ने इस बात पर जोर दिया कि बेहतर कनेक्टिविटी– विशेषकर सीधी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें–से पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा, व्यावसायिक यात्राएँ सुगम होंगी और क्षेत्र की आर्थिक आकांक्षाओं को बल मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि मंत्रालय सक्रिय रूप से संभावनाओं का पता लगाएगा और हवाई अड्डे पर कनेक्टिविटी में सुधार और यात्री सुविधाओं के उन्नयन के लिए एयरलाइनों और हवाई अड्डा संचालकों सहित सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करेगा।

यह बैठक विमानन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और चंडीगढ़ की वैश्विक और घरेलू पहुँच का विस्तार करने की दिशा में एक रचनात्मक कदम साबित हुई।

# फर्नीचर मार्केट, सेक्टर 53, चंडीगढ़ में प्रस्तावित अतिक्रमण हटाओ अभियान से पूर्व समीक्षा बैठक आयोजित

संवाददाता
चंडीगढ़

फर्नीचर मार्केट, सेक्टर 53, चंडीगढ़ में दिनांक 20 जुलाई 2025 (रविवार) को प्रातः 7:00 बजे से प्रस्तावित अतिक्रमण हटाओ अभियान की तैयारियों के संबंध में आज उपायुक्त, चंडीगढ़, श्री निशांत कुमार यादव, आईएएस की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपमंडल दंडाधिकारीगण सहित पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग, इंजीनियरिंग विभाग, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम, चंडीगढ़ के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को अत्यंत आवश्यक बताते हुए सभी संबंधित विभागों को अभियान के सुचारू संचालन हेतु पूर्ण लॉजिस्टिक सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण, अग्निशमन तैयारी, चिकित्सीय सहायता और अभियान उपरांत सफाई से संबंधित सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने को कहा।भियान के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने हेतु लगभग 1000 पुलिस कर्मियों की तैनाती की योजना बनाई गई है।पुलिस विभाग को विस्तृत तैनाती योजना तैयार करने तथा पुरुष एवं महिला पुलिसकर्मियों की पर्याप्त उपस्थिति और क्विक रिस्पांस टीम्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अग्निशमन विभाग को आवश्यक उपकरणों के साथ स्टैंडबाय पर रहने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि स्वास्थ्य विभाग आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। इंजीनियरिंग विभाग अभियान की तकनीकी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेगा और नगर निगम अतिक्रमण हटाने के बाद कचरा एवं मलबा हटाने का कार्य करेगा।उपायुक्त ने दोहराया कि यह अभियान कानूनी प्रावधानों के अनुरूप एवं जनहित में किया जा रहा है।उन्होंने सभी विभागों से अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से करने की अपील की

# थैलेसीमिक चैरिटेबल ट्रस्ट का 316वाँ रक्तदान शिविर

संवाददाता
चंडीगढ़

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ और थैलेसीमिक चैरिटेबल ट्रस्ट, हर्ष एस्टेट्स, सेक्टर 38, चंडीगढ़ के सहयोग से 19 जुलाई 2025 को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक सामुदायिक केंद्र, गुरुद्वारा के सामने, सेक्टर 38-सी, चंडीगढ़ में 316वाँ रक्तदान शिविर आयोजित कर रहे हैं। डॉ. (प्रोफेसर) आरआर शर्मा, विभागाध्यक्ष, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग, पीजीआईएमईआर और श्री राजिंदर कालरा, सदस्य सचिव, थैलेसीमिक चैरिटेबल ट्रस्ट ने बताया कि थैलेसीमिया एक दीर्घकालिक रक्त विकार है जिसमें रोगी को जीवन भर नियमित रूप से रक्त आधान की आवश्यकता होती है। यह शिविर गर्मियों के महीनों में चंडीगढ़ के ट्राई सिटी के सभी अस्पतालों में रक्त की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। आपका रक्तदान रक्त की आवश्यकता वाले गंभीर रोगियों के बहुमूल्य जीवन को बचाएगा। डॉ. आरआर शर्मा, विभागाध्यक्ष, रक्त आधान विभाग। ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग, पीजीआईएमईआर और थैलेसीमिक चैरिटेबल ट्रस्ट की कार्यकारी समिति सभी सामाजिक संगठनों, स्वैच्छिक रक्तदाताओं और अन्य धार्मिक/सामाजिक समुदायों से इस नेक कार्य हेतु रक्तदान करने की हार्दिक अपील करती है। आपका रक्तदान रक्त आधान सहायता की आवश्यकता वाले गंभीर रोगियों के बहुमूल्य जीवन को बचाएगा।

# एनएसीपी डेटा के उपयोग पर डेटा विश्लेषण और वैज्ञानिक लेखन के लिए क्षेत्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित

संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी द्वारा दो दिवसीय क्षेत्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। यह कार्यशाला राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि यह चंडीगढ़ में आयोजित अपनी तरह की पहली पूर्णतः पेपरलेस कार्यशाला है, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देना है। यह आयोजन स्वास्थ्य सचिव, यूटी चंडीगढ़ के कुशल मार्गदर्शन में किया गया।

चंडीगढ़ स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी के परियोजना निदेशक ने बताया कि यह कार्यशाला पूर्ण रूप से पेपरलेस रही, जो सरकार की डिजिटल स्वास्थ्य रूपांतरण की सोच के अनुरूप है। इस कार्यशाला में NACO के वरिष्ठ अधिकारी एवं CDC इंडिया, UNAIDS, ITECH इंडिया जैसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के तकनीकी विशेषज्ञों ने भाग लिया। इसके अलावा, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली और लद्दाख सहित आसपास के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की।

डॉ. सुमन सिंह, निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, यूटी चंडीगढ़ ने विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण समितियों, नाको एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधित्व कर रहे सभी प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। यह वित्तीय वर्ष 202526 में ठाउड द्वारा आयोजित क्षेत्रीय क्षमता निर्माण कार्यशालाओं की श्रृंखला की चौथी और अंतिम कार्यशाला है।इसका उद्देश्य राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत डेटा विश्लेषण और वैज्ञानिक लेखन में क्षमताओं को सुदृढ़ करना है। यह कार्यशाला रणनीतिक सूचना के प्रमुख घटकों—जैसे डेटा की गुणवत्ता, सुरक्षा, विश्लेषण और उपयोग—पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभी स्तरों पर डेटा-आधारित निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करने का प्रयास है। साथ ही, यह अनुसंधान और मूल्यांकन के महत्व को भी रेखांकित करती है ताकि चंडीगढ़ एसएसीएस के अंतर्गत सेवाओं की डिलीवरी और प्रभावशीलता को बेहतर बनाया जा सके।

# राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), क्षेत्रीय कार्यालय मोहाली द्वारा राज्य स्तरीय सांख्यिकी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता
मोहाली

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), क्षेत्रीय कार्यालय मोहाली द्वारा राष्ट्रीय सैम्पल सर्वे की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय सांख्यिकी क्विज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन होटल कैंडी क्षेत्रीय कार्यालय मोहाली में किया गया। यह प्रतियोगिता भारतीय अर्थव्यवस्था, सांख्यिकीय प्रणाली एवं योजनाओं की समझ पर आधारित थी, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सर्वेक्षणों, आंकड़ों की भूमिका और डेटा-संचालित नीतियों की मूलभूत जानकारी देना था।

इस प्रतियोगिता में पंजाब राज्य के विभिन्न कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों की कुल 23 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सांख्यिकी एवं डेटा संग्रहण जैसे जटिल विषयों में अपनी समझ का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंत में उप महानिदेशक श्री हिम्मत सिंह राघव एवं सहायक निदेशक श्री विकास रुंडाला द्वारा विजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किए गए, साथ ही सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

विजेता टीमों का विवरण इस प्रकार है:

- प्रथम स्थानः गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर 32, चंडीगढ़ से वंशिका शर्मा एवं जतिन
- द्वितीय स्थानः चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, झांजेरी से प्रिया मनहास एवं कर्मन्या कौर
- तृतीय स्थानः पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज, सेक्टर 11, चंडीगढ़ से भारत स्वामी एवं ओम सूद

कार्यक्रम में श्री संजीव कुमार (वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी व विभागाध्यक्ष), श्री एम.पी. सिंह (वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी) एवं श्रीमती उषा वर्मा (वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी एवं नोडल अधिकारी) की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की सफलता में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय मोहाली के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सक्रिय सहयोग सराहनीय रहा।

कार्यक्रम का संचालन पूर्ण निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न हुआ।प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों ने न केवल सांख्यिकी की अवधारणाओं को समझा, बल्कि डेटा की उपयोगिता को भी गहराई से जाना। एनएसओ, आरओ मोहाली भविष्य में भी इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को डेटा-संचालित निर्णय एवं सांख्यिकी के महत्व से अवगत कराता रहेगा।

# एनआईए पंचकूला और आरोग्य भारती ने स्वस्थ जीवनशैली पर जागरूकता सत्र आयोजित किया

संवाददाता
पंचकूला

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), पंचकूला ने आरोग्य भारती हरियाणा के सहयोग से 18 जुलाई, 2025 को ₹स्वस्थ जीवनशैली और स्वास्थ्य चुनौतियाँ₹ विषय पर एक सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया। मुख्य व्याख्यान आरोग्य भारती के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य और उत्तर क्षेत्र समन्वयक श्री संजीवन जी ने दिया।इस कार्यक्रम में प्रभारी डीन प्रो. सतीश गंधर्व, डीएमएस समन्वयक डॉ. गौरव गर्ग, प्रो. प्रह्लाद रघु, सहित संस्थान के सभी प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों और छात्रों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अपने संबोधन के दौरान, श्री संजीवन जी ने स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे एक स्वस्थ व्यक्ति एक स्वस्थ समाज और एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस सत्र में संकाय सदस्यों और छात्रों दोनों की उत्साहपूर्ण और ध्यानपूर्वक भागीदारी रही, जिससे यह वास्तव में एक संवादात्मक और प्रभावशाली कार्यक्रम बन गया।

प्रो. सतीश गंधर्व ने श्री संजीवन जी और उनकी टीम के सदस्यों - आरोग्य भारती के श्री सुभाष सिंघल जी, श्री रणजीत सिंह जी और श्री सुरेंद्र सिन्हा जी - के साथ-साथ एनआईए पंचकूला के सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। एनआईए पंचकूला की टीम ने इस आयोजन को सफल बनाने हेतु माननीय कुलपति प्रो. संजीव शर्मा के निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए गहन आभार प्रकट किया।

# लघु उद्योग भारती जिला पंचकूला के प्रधान रजनीश गर्ग और सचिव प्रदीप गर्ग को बनाया गया

संवाददाता
पंचकूला

लघु उद्योग भारती जिला पंचकूला की कार्यकारिणी की बैठक इंडिया सर्किट्स प्राइवेट लिमिटेड, बरवाला में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा राज्य के लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष शुभ आदेश मित्तल ने की। इस अवसर पर अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरविंद धुमल, पंजाब राज्य के लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष प्रदीप मोंगिया और लघु उद्योग भारती की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य रमाकांत भारद्वाज उपस्थित हुए।इस मौके पर लघु उद्योग भारती की जिला इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है।इस नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष रजनीश गर्ग को और सचिव प्रदीप गर्ग को उपाध्यक्ष रोशन गर्ग को और वित्त सचिव प्रदीप कंसल को बनाया गया है।जो लघु उद्योग भारती की जिला इकाई का नेतृत्व करेंगे। बैठक के दौरान कृष्ण कुमार जैन, पूर्व अध्यक्ष ने पिछले 6 वर्षों के दौरान सहयोग के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन की सफलता के लिए सभी सदस्यों का सहयोग और समर्थन आवश्यक है।आप को बता दे कि लघु उद्योग भारती एक पंजीकृत अखिल भारतीय संगठन है जो सूक्ष्म और लघु उद्योगों के हितों की रक्षा और विकास के लिए काम करता है। इसकी स्थापना 1994 में हुई थी और वर्तमान में इसके 30000 से अधिक सदस्य हैं जो 452 शाखाओं के माध्यम से देशभर में फैले हुए हैं।

# एनएसओ चंडीगढ़ ने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अन्वेषा 2.0 क्विज का आयोजन किया

संवाददाता
चंडीगढ़

भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ ने 18 जुलाई, 2025 को राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में ज्ञान, अंतर्दृष्टि, उत्सव विषय पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता ₹अन्वेषा 2.0₹ का सफलतापूर्वक आयोजन महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान, सेक्टर-26, चंडीगढ़ में किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन एनएसओ (एफओडी), क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ के उप महानिदेशक, श्री दीपक मेहरा ने किया और उन्होंने मुख्य अतिथियों, श्री मनोज गोयल, निदेशक (अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय हरियाणा) स्वागत किया। यह कार्यक्रम भौतिक रूप से आयोजित किया गया और इसमें राजधानी क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों के कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।। विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों (मुख्यतः सांख्यिकी एवं अर्थशास्त्र विभाग) में नामांकित सरकारी और निजी दोनों संस्थानों के छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

विभिन्न संस्थानों के कुल 48 छात्रों ने क्विज में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतियोगिता के सुचारू और पेशेवर संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, विशेषज्ञ क्विज मास्टर्स को नियुक्त किया गया था। यह प्रतियोगिता एनएसओ (एफओडी), मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप निष्पक्ष, अनुशासित और सुव्यवस्थित रूप से आयोजित की गई। क्विज के दो चरणों में प्राप्त अंकों के आधार पर शीर्ष तीन टीमों को नकद पुरस्कार, पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जबकि विजेता टीम (पंजाब विश्वविद्यालय) को एक ट्रॉफी भी प्रदान की गई।

प्रथम पुरस्कार ₹10,000/- की राशि के साथ पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सांख्यिकी विभाग की टीम – सुश्री हिमानी शर्मा एवं श्री शिवनंदन ऋखी को प्रदान किया गया।द्वितीय पुरस्कार ₹6,000/- की राशि के साथ एससीईआरटी, सेक्टर-32, चंडीगढ़ की टीम – सुश्री शिवानी सिंह एवं सुश्री युक्ता सोबती को प्रदान किया गया।

तृतीय पुरस्कार ₹4,000/- की राशि के साथ एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, सेक्टर-36ए, चंडीगढ़ की टीम – सुश्री राधिका शर्मा एवं सुश्री सिमरन कौशल को प्रदान किया गया।

सभी प्रतिभागियों को उनकी सहभागिता और उत्साह के लिए प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह आयोजन अत्यंत सफल और सराहनीय रहा, जिससे युवाओं में सांख्यिकी के प्रति जागरूकता और रुचि में वृद्धि हुई तथा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित गतिविधियों की दृश्यता और प्रभावशीलता भी बढ़ी।

## संक्षिप्त-समाचार

### साक्ष्य मिलने पर फरार आरोपी को दबोचा

**चंडीगढ़।** राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अम्बाला ने आज दिनांक 18.7.2025 को भ्रष्टाचार के एक मामले में फरार आरोपी मंजीत मलिक, तत्कालीन तहसीलदार गुहला, जिला कैथल को अभियोग की तफतीश में पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता ने राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अम्बाला को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि उसके द्वारा अमर सिटी कॉलोनी चीका जिला कैथल में 151 गज का प्लाट खरीद किया गया था। इस प्लॉट की रजिस्ट्री वह अपनी भाभी के नाम करवाने के लिए मंजीत मलिक, तत्कालीन तहसीलदार गुहला, जिला कैथल से मिला। उसने उसको प्रदीप रजिस्ट्री क्लर्क, कार्यालय तहसील गुहला से मिलने के लिए कहा। जब वह आरोपी प्रदीप कुमार, रजिस्ट्री क्लर्क तहसील गुहला जिला कैथल से मिला तो आरोपी प्रदीप कुमार उपरोक्त द्वारा उसकी भाभी के नाम प्लॉट की रजिस्ट्री करने की एवज में उससे 10,000/-रुपए (दस हजार रुपए) बतौर रिश्वत की माँग की गई। उपरोक्त शिकायत पर कार्यवाही करते हुए राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अम्बाला द्वारा आरोपी प्रदीप कुमार रजिस्ट्री क्लर्क तहसील गुहला जिला कैथल को शिकायतकर्ता से 10,000/- रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था तथा आरोपी के विरूद्ध अभियोग संख्या 6 दिनांक 18.2.2025 धारा 7 पीसी एक्ट 1988 व 61(2) बी.एन.एस. थाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अम्बाला दर्ज किया गया था। इस अभियोग में आरोपी प्रदीप कुमार, तत्कालीन रजिस्ट्री क्लर्क का चालान दिनांक 1.7.2025 को माननीय न्यायालय कैथल में दिया जा चुका है।

### अथर्व यूनिवर्सिटी में शहीदों की बेटियों को मिलेगी छात्रवृत्तिः संस्थापक सुनील राणे

**चंडीगढ़।** अथर्व यूनिवर्सिटी, मुंबई ने देश भर के शहीद सैनिकों की बेटियों और जम्मू-कश्मीर तथा भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों के लिए यूनिवर्सिटी की सभी शाखाओं में विशेष छात्रवृत्ति की घोषणा की है। अथर्व यूनिवर्सिटी, मुंबई के संस्थापक सुनील राणे ने कहा कि शहीदों की बेटियों के लिए 100% और जम्मू-कश्मीर तथा पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के छात्रों के लिए 75% छात्रवृत्ति उपलब्ध है। यूनिवर्सिटी इंजीनियरिंग, बीबीए/एमबीए, होटल मैनेजमेंट, बीसीए और बी डिजाइन्स में पाठ्यक्रम प्रदान करता है। उद्योग-केंद्रित और शोध-आधारित पाठ्यक्रमों, सुसज्जित भवनों, अत्याधुनिक सुविधाओं वाली प्रयोगशालाओं, उत्कृष्ट शिक्षकों और सर्वोत्तम शैक्षणिक वातावरण के साथ उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के साथ, अथर्व विश्वविद्यालय में प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट की सुविधा उपलब्ध है।

### नॉर्थ इंडिया की 41 प्रतिशत सैंडविच पीढ़ी का उद्यमिता की ओर झुकाव - एडलवाइस

**चंडीगढ़।** एडलवाइस लाइफ इंश्योरेंस के एक नए अध्ययन में खुलासा हुआ है कि उत्तर भारत की 41 प्रतिशत सैंडविच पीढ़ी अपने स्वयं का व्यवसाय शुरू करने को एक प्रमुख शोर्ट टर्म फाइनेंसियल गोल मानती है, जो देश के किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में सबसे अधिक है। यह मजबूत उद्यमी सोच इस बात का संकेत है कि यह पीढ़ी वित्तीय स्वतंत्रता को अब केवल नौकरी की सुरक्षा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता के रूप में देख रही है। एडलवाइस लाइफ इंश्योरेंस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, अनुप सेठ ने कहा कि उत्तर भारत में हमेशा से उद्यमशीलता की गहरी प्रवृत्ति रही हैकृपारिवारिक व्यवसाय, व्यापारी समुदाय और स्व-रोजगार इसकी आर्थिक डीएनए का हिस्सा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि अब यह प्रवृत्ति अधिक संगठित और महत्वाकांक्षी रूप ले रही है। सैंडविच पीढ़ी केवल सपना नहीं देख रही वे वित्तीय स्वतंत्रता और नियंत्रण पाने के लिए सक्रिय रूप से कदम बढ़ा रही है। हालांकि महत्वाकांक्षा साफ नजर आती है, लेकिन वित्तीय योजना इसके साथ कदमताल नहीं कर पा रही है। आधे से अधिक उत्तरदाताओं ने कहा कि वे अपनी वित्तीय यात्रा में पीछे महसूस करते है - यह भावना उत्तर और पश्चिम भारत में अधिक गहरी है, जो उनके सपने को साकार करने की राह में एक बड़ी बाधा है।

### आईकू जेड10आर 24 जुलाई को होगा लॉन्च

**चंडीगढ़।** हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ब्रांड आईकू 24 जुलाई को आईकू जेड10आर लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। छात्रों और नए कंटेंट क्रिएटर्स के लिए तैयार यह स्मार्टफोन 4के फ्रंट और रियर कैमरा, अल्ट्रा-स्लिम क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले और सेगमेंट-लीडिंग मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7400 प्रोसेसर के साथ आता है, जो उन लोगों के लिए एकदम सही विकल्प है जो हमेशा ऑन-द-गो रहते हैं और ऑनलाइन एक्टिव रहते हैं। चाहे कंटेंट बनाना हो, क्लासेज अटेंड करनी हों, रील्स स्क्रॉल करनी हों, ब्रेक में गेमिंग करनी हो या मल्टीपल ऐप्स के बीच स्विच करना हो - आईकू जेड10आर को तेज-तर्रार, मल्टीटास्किंग लाइफस्टाइल को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। आईकू जेड10आर खास तौर पर कंटेंट क्रिएटर्स के लिए तैयार किए गए सेटअप के साथ आता है, जिसमें 50 एमपी सोनी आईएमएक्स 882 ओआइएस मेन कैमरा और सेगमेंट का सबसे बेहतर 32 एमपी 4के फ्रंट कैमरा है। फ्रंट और रियर दोनों कैमरों में 4के वीडियो रिकॉर्डिंग की सुविधा है, जिससे यूजर्स प्रोफेशनल क्वालिटी के साथ अल्ट्रा-क्लियर, एचडीआर-क्वालिटी वीडियो शूट कर सकते हैं। अपने सेगमेंट का एकमात्र आईकू फोन जिसमें 4के 32 एमपी फ्रंट कैमरा है, आईकू जेड10आर चलते-फिरते क्रिएटर्स के लिए एक बेहतरीन अपग्रेड है।

### रायपुररानी में करंट लगने से 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत

**रायपुररानी।** रायपुररानी कस्बे में करंट लगने से एक 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान राम सिंह पुत्र बारू राम निवासी तुरो के रूप में हुई है। वह खेतीबाड़ी और दूध डेयरी का काम करता था। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह राम सिंह अपने घर पर नहाने के लिए टुल्लू पम्प चला रहा था, तभी उसे अचानक करंट लग गया। करंट लगने से वह मौके पर ही बेहोश हो गया। परिजनों ने उसे तुरंत सीएचसी रायपुररानी इलाज के लिए पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के बड़े भाई प्रेम चन्द ने बताया कि यह घटना पूरी तरह दुर्घटनावश हुई है और किसी पर भी संदेह या आरोप नहीं है। परिजनों ने कानूनी कार्रवाई से भी इनकार किया है। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचकूला के सेक्टर-6 सामान्य अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।